# सांध्य दैनिक 4PM




चाहे जिंदगी जितनी भी कठिन लगे, आप हमेशा कुछ न कुछ कर सकते हैं और सफल हो सकते हैं।
-स्टीफन हॉकिंग


मूल्य ₹ 3/-

जिद...सच की

www.4pm.co.in  www.facebook.com/4pmnewsnetwork  @Editor_Sanjay  YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्षः 9 ● अंकः 320 ● पृष्ठः 8 ● लखनऊ, सोमवार, 1 जनवरी, 2024

वॉर्नर वनडे क्रिकेट को कहेंगे बाय... 7 | विदर्भ से मिलेगी कांग्रेस को जीत... 3 | सरकारी गारंटी व संकीर्ण राष्ट्रवाद... 2


# वाह रे! योगी की पुलिस, 60 दिन बाद पकड़ में आए भाजपा से जुड़े दरिंदे

## आईआईटी बीएचयू के छात्रा के साथ किया था दुराचार

### » डराने वाली बात- मध्यप्रदेश चुनाव में किया था बीजेपी का प्रचार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

वाराणसी। यूपी पुलिस कितना तेजी से काम करती है उसकी एक बानगी आईआईटी बीएचयू परिसर में घटी दो महीने पहले शर्मनाक कांड में शामिल आरोपियों की गिरफ्तारी के बाद पता चल गयी है। सबसे बड़ी बात यह है कि आरोपी दुराचार के दोषी है और भाजपा के कार्यकर्ता है। उससे भी बड़ी चौंकाने वाली बात ये कि सारे आरोपी कांड करने के बाद मध्यप्रदेश में भाजपा के चुनाव का प्रचार कर रहे थे। आरोपियों को पकड़ने में योगी पुलिस 60 दिन लगा दिए। इस दौरान वह आरोपी पूरे देश में घूमते रहे।

दरअसल, एक नवंबर की देररात की घटना है। आईआईटी बीएचयू के न्यू गर्ल्स हॉस्टल में रहने वाली बीटेक की छात्रा के अनुसार वह एक नवंबर की रात 1: 30 बजे टहलने निकली थी। गांधी स्मृति हॉस्टल के समीप उसे उसका दोस्त मिला। दोनों टहलते हुए जा रहे थे। इसी बीच कर्मन बीर बाबा मंदिर से कुछ दूरी पर बाइक सवार तीन युवक मिले। तीनों ने उसे और उसके दोस्त को अलग कर दिया। इसके बाद तीनों उसका मुंह दबाकर उसे झाड़ियों के पास कोने में ले गए। तीनों ने उसे निर्वस्त्र कर दिया और फोटो-वीडियो बनाए। इसके बाद तीनों ने उसका प्राइवेट पार्ट छुआ। शोर मचाने पर तीनों ने उसे जान से मारने की धमकी दी। तीनों उसका मोबाइल नंबर लेकर उसे लगभग 15 मिनट तक अपने साथ रखे। इसके बाद तीनों उसे छोड़कर बाइक से चले गए। तीनों के चंगुल से छूटकर वह अपने हॉस्टल की ओर भागी। इस मामले में दो नवंबर को लंका थाने की पुलिस ने मुकदमा दर्ज किया था। सामूहिक दुष्कर्म के मामले में आईआईटी के छात्रों ने बड़ा आंदोलन किया था। पठन-पाठन का काम ठप कर दिया था।

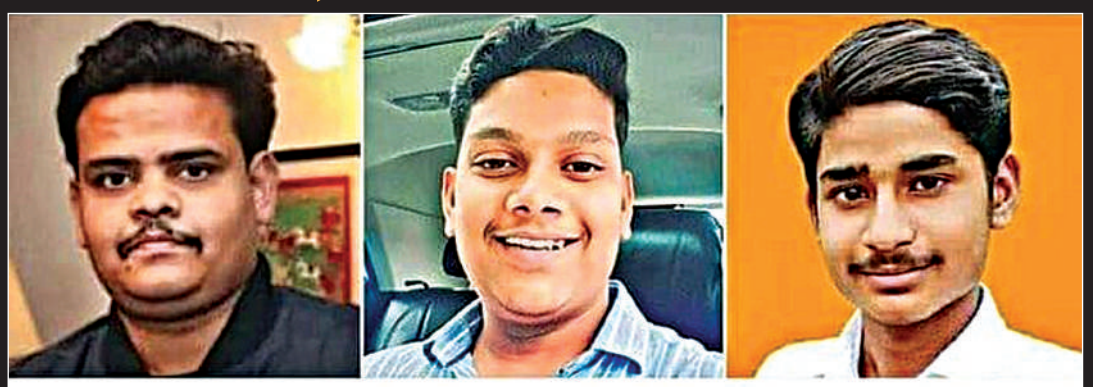



| कुणाल पांडेय | सक्षम पटेल | आनंद उर्फ अभिषेक चौहान |
|---|---|---|
| संयोजक BJP IT सेल वाराणसी महानगर | सह-संयोजक BJP IT सेल वाराणसी महानगर | कार्य समिति सदस्य BJP IT सेल वाराणसी महानगर |

### आठ दिन चला था विरोध प्रदर्शन

आईआईटी बीएचयू परिसर में एक नवंबर को आधी रात के बाद छात्रा के साथ सामूहिक दुष्कर्म की घटना के विरोध में छात्रों ने 23 घंटे तक धरना दिया था। बाद में सोशल मीडिया सहित अन्य माध्यमों से आठ दिनों तक विरोध जताया था। उनकी मांग थी कि आरोपियों की जल्द गिरफ्तार किया जाए। अब 60 दिन बाद आरोपियों की गिरफ्तारी हुई है।

### आरोपियों के घर सन्नाटा, लोग बोले- जैसा बोया, वैसा काट रहे

तीनों आरोपियों की गिरफ्तारी के बाद उनके घर पर सन्नाटा पसरा हुआ है। सक्षम और अभिषेक के घर के बाहर तो कोई नहीं दिखा, लेकिन कुणाल के घर की ओर जाने पर कुछ लोग पूछताछ करना शुरू कर दे रहे थे। नाराजगी भरे लहजे में कह रहे थे कि यहां किस लिए आए हो, क्या काम है, पहले तो कभी नहीं दिखे। वहीं, तीनों आरोपियों की करतूत को लेकर उनके मुहल्ले के लोगों का कहना था कि जो जैसा बोएगा, वैसा काटेगा। अपना पाप-पुण्य वह जानें, हम लोगों से भला क्या मतलब है।

### शहर छोड़कर भाग गए थे आरोपी

पुलिस की पूछताछ में तीनों आरोपियों ने बताया कि एक नवंबर की रात वारदात को उन्होंने अंजाम दिया। दो और तीन नवंबर को उन्होंने देखा कि घटना के विरोध में आईआईटी बीएचयू के छात्रों ने आंदोलन शुरू कर दिया है। इस पर तीनों डर गए और शहर छोड़कर मध्य प्रदेश चले गए। मध्य प्रदेश में विधानसभा के चुनाव प्रचार में लग गए। मतदान से पहले तीनों वापस शहर आए और गुपचुप तरीके से रह रहे थे। समय बीतता गया तो तीनों आश्वस्त हो गए थे कि अब वह गिरफ्तार नहीं होंगे।

### पीड़िता के बयान के आधार पर बढ़ी थी सामूहिक दुष्कर्म की धारा

पीड़ित छात्रा की तहरीर के आधार पर दो नवंबर की सुबह लंका थाने में तीन अज्ञात आरोपियों के खिलाफ छेड़खानी, धमकाने और आईटी एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज किया गया था। बाद में छात्रा ने विवेचक और मजिस्ट्रेट को बयान दिया कि उसका प्राइवेट पार्ट तीनों आरोपियों ने छुआ था। साथ ही, उसे जबरन निर्वस्त्र कर बनाए गए वीडियो को सोशल मीडिया के अलग-अलग प्लेटफॉर्म पर अपलोड करने की धमकी दी थी। इस आधार पर दर्ज मुकदमे में सामूहिक दुष्कर्म और इलेक्ट्रॉनिक साधनों से यौन उत्पीड़न की धारा बढ़ाई गई थी।

### तीनों आरोपी भेजे गए जेल

वाराणसी स्थित आईआईटी बीएचयू में बीटेक की छात्रा से सामूहिक दुष्कर्म के आरोप में 60 दिन बाद रविवार को भाजपा के तीन नेताओं की गिरफ्तारी हुई है। तीनों आरोपियों को अदालत में पेश किया गया, जहां से न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेज दिया गया। अब पुलिस आरोपियों को कस्टडी रिमांड पर लेकर पूछताछ करने की तैयारी में है। आरोपियों के खिलाफ गैंगस्टर की कार्रवाई भी की जाएगी। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान बृज एन्क्लेव कॉलोनी निवासी कुणाल पांडेय, जिवधीपुर बजरडीहा के सक्षम पटेल और अभिषेक चौहान उर्फ आनंद के रूप में हुई है। कुणाल भाजपा महानगर इकाई में आईटी सेल का संयोजक है। सक्षम पटेल सह संयोजक है। अभिषेक चौहान के घर के बाहर भाजपा के बूथ अध्यक्ष का बोर्ड लगा है। हालांकि, वह कार्य समिति का सदस्य बताया जा रहा है। गिरफ्तारी के बाद से ही तीनों आरोपियों की फोटो भाजपा के बड़े नेताओं के साथ वायरल हो रही है। पुलिस ने आरोपियों के पास से वारदात में प्रयुक्त बाइक और मोबाइल बरामद कर लिया है।

### भाजपा में कानून से बड़ा कोई नहीं: पटेल

दिलीप सिंह पटेल, क्षेत्रीय अध्यक्ष, काशी क्षेत्र, भाजपा ने कहा है कि भाजपा की सरकार में कानून व्यवस्था से सर्वोपरि कोई नहीं है। आईआईटी बीएचयू की घटना के तीनों आरोपी भाजपा के कार्यकर्ता रहे हैं। पहले कुणाल पांडेय आईटी सेल महानगर का संयोजक और सक्षम पटेल सह संयोजक था। वर्तमान में इन तीनों में किसी के पास कोई दायित्व नहीं है। अपराध करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की पैरवी हमारी ओर से भी है।

### कठोर निरोधात्मक कार्रवाई की जाएगी : गौतम

आरएस गौतम, डीसीपी काशी जोन ने कहा है कि सीसीटीवी कैमरों की फुटेज की मदद से तीनों आरोपियों को चिह्नित कर उन्हें उनके घर से सर्विलांस सेल, क्राइम ब्रांच और लंका थाने की पुलिस ने गिरफ्तार किया है। आरोपियों को कस्टडी रिमांड पर लेकर पूछताछ की जाएगी। तीनों के खिलाफ कठोर निरोधात्मक कार्रवाई प्रभावी तरीके से की जाएगी।

# सरकारी गारंटी व संकीर्ण राष्ट्रवाद छलावे की राजनीति : मायावती

**» बसपा प्रमुख की अपील- नए साल में सर्वजन हितैषी सरकार बनाएं**

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। इस नववर्ष से सरकार केवल 'रोजगार की गारंटी' सुनिश्चित कर सच्ची देशभक्ति व राजधर्म का निर्वहन करे, क्योंकि बाकी सरकारी गारंटी संकीर्ण राष्ट्रवाद के छलावा की राजनीति ज्यादा साबित हुई है। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) अध्यक्ष मायावती ने सोमवार को केंद्र की भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नीत राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सरकार से नए साल में रोजगार की गारंटी सुनिश्चित कर 'राजधर्म' निभाने का आग्रह किया और देशवासियों से इस वर्ष लोकसभा चुनाव में 'सर्वजन हितैषी' सरकार बनाने की अपील की।

मायावती ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर पोस्ट किए गए सिलसिलेवार संदेशों में कहा कि देश व दुनिया भर में रहने वाले भारतीय भाई-बहनों एवं उनके परिवार को नववर्ष 2024 की दिली मुबारकबाद। यह साल आप सब के लिए आत्म-सम्मान के साथ सुख, शान्ति, सुरक्षा व सफलता लेकर आए इसकी शुभकामनाएं, ताकि आर्थिक असमानता व अन्य गैर-बराबरी आदि से मुक्त होकर लोगों का जीवन खुशहाल बने। मायावती ने एक अन्य संदेश में इस साल केंद्र में 'सर्वजन हितैषी' सरकार बनाने की अपील करते हुए कहा कि कुल मिलाकर पहले कांग्रेस और अब भाजपा की लंबी चली जातिवादी, अहंकारी व गैर-समावेशी सरकार के दुष्प्रभाव से करोड़ों गरीबों का विकास प्रभावित। अत: अब इस संसदीय चुनाव वर्ष में जनहित व जनकल्याण को समर्पित बहुजनों के उम्मीदों की सर्वजन हितैषी सरकार बनाएं, लोगों से यही पुरजोर अपील। वहीं बसपा नेता आकाश आनंद ने कहा कि लोंगों की परेशानी के लिए कांग्रेस और भाजपा की गरीब विरोधी नीतियां जिम्मेदार हैं। भाजपा सरकार ने गरीब जनता की सहूलियत के लिए इस पर ध्यान नहीं दिया। हर बार कोरे आश्वासन दिए गए।

### 100 करोड़ लोगों का जीवन बना मोहताज

उन्होंने एक अन्य संदेश में कहा कि इस नववर्ष से सरकार केवल 'रोज़गार की गारंटी' सुनिश्चित कर सच्ची देशभक्ति व राजधर्म का निर्वहन करे, क्योंकि बाकी सरकारी गारंटी संकीर्ण राष्ट्रवाद के छलावा की राजनीति ज्यादा साबित हुई है, जिस कारण लगभग 100 करोड़ लोगों का जीवन लगातार गरीब, पिछड़ा, मजलूम व मोहताज बना हुआ है। उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि देश में मामूली प्रति व्यक्ति आय अर्थात लोगों की जेब में खर्च के लिए पैसे ही न हों तो विकास का ढिंढोरा लोगों के किस काम का? साथ ही, बेरोज़गारों की भारी फौज के साथ 'विकसित भारत' कैसे संभव?'

# केरल की शिक्षा में सांप्रदायिकता घोल रहे राज्यपाल : अनुश्री

**» एसएफआई ने फूंका गवर्नर आरिफ का पुतला**

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कन्नूर (केरल)। केरल में सत्तारूढ़ मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) के छात्र संगठन स्टूडेंट फेडरेशन ऑफ इंडिया (एसएफआई) ने पय्याम्बलम समुद्र तट पर राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान का एक विशाल पुतला फूंका और उनके ऊपर राज्य के शिक्षा क्षेत्र का सांप्रदायिकीकरण करने का आरोप लगाया। खान और सत्तारूढ़ माकपा के बीच पिछले कुछ समय से जुबानी जंग जारी है।

एसएफआई की प्रदेश इकाई के अध्यक्ष के अनुश्री ने खान जैसे दिखने वाले 30 फुट ऊंचे पुतले को रविवार शाम को आग लगा दी। वहीं छात्र संगठन के अन्य कार्यकर्ताओं ने इस दौरान नारे लगाए। एसएफआई ने कहा कि कुलाधिपति के रूप में खान द्वारा राज्य के विश्वविद्यालय सीनेट में हिंदू दक्षिणपंथी कार्यकर्ताओं के नामांकन के खिलाफ विरोध प्रदर्शन आयोजित किया गया था। संवाददाताओं से बात करते हुए अनुश्री ने बताया कि इस उम्मीद से पुतला जलाया गया कि नववर्ष में राज्यपाल राज्य के उच्च शिक्षा क्षेत्र में सांप्रदायिक एजेंडे को आगे बढ़ाने से परहेज करेंगे। उन्होंने कहा, यह उनके सांप्रदायिक एजेंडे के खिलाफ हमारा विरोध है।

# राजधानी में यूपी जोड़ो यात्रा का कांग्रेस करेगी जोरदार स्वागत

**» चार जनवरी को पहुंचेगी लखनऊ, तैयारियां जोरों पर**

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष अजय राय के नेतृत्व में सहारनपुर से निकली यूपी जोड़ो यात्रा चार जनवरी को लखनऊ की सीमा में प्रवेश करेगी। बीकेटी में रात्रि विश्राम और जनसभा होगी। छह को शहीद स्मारक पर नए साल के संकल्पों और जनसभा के साथ पहले चरण की यात्रा समाप्त होगी। रविवार को पार्टी प्रदेश मुख्यालय पर हुई बैठक में यात्रा के स्वागत की तैयारी को लेकर रणनीति बनाई गई। बैठक में तय किया गया कि चार जनवरी को यात्रा सीतापुर पहुंचेगी। वहां से दोपहर बाद लखनऊ के लिए निकलेगी। देर शाम बीकेटी के मिलन गेस्ट हाउस में सभा और रात्रि विश्राम होगा।

यहां से पांच जनवरी को बीकेटी से चलकर रकाबगंज पहुंचेगी। इस दौरान पांच स्थानों पर नुक्कड़ सभा होगी। रकाबगंज में ही रात्रि विश्राम और फिर छह जनवरी को दोपहर करीब दो बजे शहीद स्मारक (निकट रेजेडेन्सी, कैसरबाग) पर समापन समारोह होगा। इस दौरान नव वर्ष के लिए राजनैतिक संकल्प लिया जाएगा। लखनऊ की सीमा में यात्रा के स्वागत और अन्य व्यवस्था के लिए अलग- अलग कमेटियों को जिम्मेदारी सौंपी गई।

# सिद्धारमैया बेटे के लिए मुझे खत्म करना चाहते हैं : सिम्हा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मैसुरु भारतीय जनता पार्टी के सांसद प्रताप सिम्हा ने आरोप लगाया कि कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरमैया केवल अपने बेटे यतींद्र सिद्धारमैया को राजनीतिक रूप से फिर से स्थापित करने के लिए उनके परिवार को खत्म करने पर तुले हुए हैं। भाजपा सांसद ने यह भी दावा किया कि मुख्यमंत्री अगले साल होने वाले लोकसभा चुनाव में अपने बेटे को जीत दिलाने के लिए उन्हें निशाना बना रहे हैं।

सिद्धारमैया ने आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि नियमों का उल्लंघन करने वालों को ही गिरफ्तार किया जाता है, निर्दोषों को नहीं। प्रताप सिम्हा ने अपने भाई विक्रम सिम्हा की गिरफ्तारी पर प्रतिक्रिया देते हुए यह बयान दिया, जिसे राज्य के हासन के एक खेत में अदरक उगाने के लिए बड़ी संख्या में पेड़ों की कटाई को लेकर गिरफ्तार किया गया है। विक्रम को शनिवार की शाम गिरफ्तार किया गया था और रविवार को उन्हें मेडिकल जांच के लिए अस्पताल ले जाया गया। मैसुरु-कोडागु से भाजपा सांसद ने कहा कि मेरे भाई का नाम पहले प्राथमिकी में नहीं था। वह फरार भी नहीं था। फिर भी उसे गिरफ्तार कर लिया गया। सिम्हा ने दावा किया कि मुख्यमंत्री गिरफ्तारी करवाने से नहीं रुकेंगे। सांसद ने आरोप लगाया, बेटे के राजनीतिक भविष्य के लिए आप (सिद्धारमैया) प्रताप सिम्हा को रौंदने के सभी प्रयास करेंगे और मेरे परिवार को इसमें घसीटोगे। आप मेरे भाई को फंसाने की कोशिश कर रहे हैं। सिम्हा ने कहा कि मुख्यमंत्री अपने बेटे यतींद्र को दोबारा स्थापित करने की कोशिश कर रहे हैं, जिन्होंने मई 2023 में हुए विधानसभा चुनाव के दौरान अपने पिता के लिए वरुणा सीट खाली कर दी थी। सांसद ने कहा, अपने बेटे के भविष्य के लिए सिद्धारमैया मेरे परिवार को खत्म करने पर तुले हुए हैं। कृपया मेरी बुजुर्ग मां और बहन को भी गिरफ्तार करें लेकिन मैं आपको बताना चाहता हूं कि मैसुरु-कोडागु के लोग मेरे साथ हैं।

### सीएम ने आरोप को नकारा, जो गलत करेगा वह गिरफ्तार होगा

यहां संवाददाताओं से बातचीत में मुख्यमंत्री ने आरोपों को खारिज कर दिया। सिद्धारमैया ने कहा किजो भी नियमों का उल्लंघन करेगा उसे गिरफ्तार किया जाएगा। उन्होंने कहा कि बिना किसी कारण के किसी को गिरफ्तार क्यों किया जाएगा? उन्होंने कहा कि उनके कार्यकाल में किसी भी निर्दोष व्यक्ति को नुकसान नहीं पहुंचाया जाएगा। कर्नाटक के वन मंत्री ईश्वर खंडे ने सिम्हा के आरोप को खारिज करते हुए कहा कि जब करोड़ों रुपए के पेड़ अवैध रूप से काटे जाएंगे तो कार्रवाई की जाएगी। राज्य के गृह मंत्री डॉ. जी परमेश्वर ने भी सिम्हा के आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि कानून का उल्लंघन करने वालों को परिणाम भुगतना होगा।

# एमवीए में कोई खींचतान नहीं: राउत

**» लोस चुनाव के लिए सीट बंटवारे पर दी प्रतिक्रिया**

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पुणे। शिवसेना (यूबीटी) नेता संजय राउत ने कहा कि आगामी लोकसभा चुनाव के लिए सीट बंटवारे को लेकर महाविकास आघाडी (एमवीए) के सहयोगियों के बीच कोई खींचतान नहीं है। उन्होंने कहा कि उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली पार्टी और दिल्ली तथा महाराष्ट्र के कांग्रेस नेताओं के बीच एक बेहतर समझ है। राउत ने कहा था कि उनकी पार्टी अगले साल लोकसभा चुनाव में महाराष्ट्र की 48 में से 23 सीट पर लड़ेगी।

प्रदेश कांग्रेस ने राउत की टिप्पणी पर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की थी। इसके बाद पार्टी प्रमुख उद्धव ठाकरे ने कहा था कि वह ऐसा कुछ भी नहीं करेंगे जिससे एमवीए गठबंधन को कोई नुकसान पहुंचे। राउत ने कहा कि उम्मीदवारों के चयन में जीतने की क्षमता मानदंड होगी। उन्होंने कहा, महाविकास आघाडी के घटक दलों के बीच सीट बंटवारे के मुद्दे पर कोई खींचतान नहीं है। हम (शिवसेना-यूबीटी) और दिल्ली के साथ-साथ महाराष्ट्र में कांग्रेस के नेताओं के बीच अच्छी समझ है। गठबंधन को लेकर कुछ नेताओं की टिप्पणी पर ध्यान न दें। उन्होंने कहा कि हम अपनी सीट की सूची के साथ तैयार हैं और टिकट उन उम्मीदवारों को दिया जाएगा जिनमें चुनाव जीतने की क्षमता होगी। एमवीए में शिवसेना (यूबीटी), राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरद पवार गुट) और कांग्रेस शामिल हैं।

### भाजपा के खिलाफ सब एक रहेंगे

वंचित बहुजन अघाड़ी के नेता प्रकाश आंबेडकर को एमवीए में शामिल किए जाने की संभावना के बारे में पूछे जाने पर राउत ने कहा कि हमारे और आंबेडकर के बीच सब कुछ ठीक है। वह एक अच्छे वक्ता है और भाजपा के खिलाफ अपने विचार स्पष्ट रूप से व्यक्त करते है। राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा समारोह से कुछ दिन पहले अयोध्या में विभिन्न परियोजनाओं की शुरुआत को लेकर राउत ने व्यंग्यात्मक लहजे में कहा कि प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) अब अयोध्या से काम करेगा।

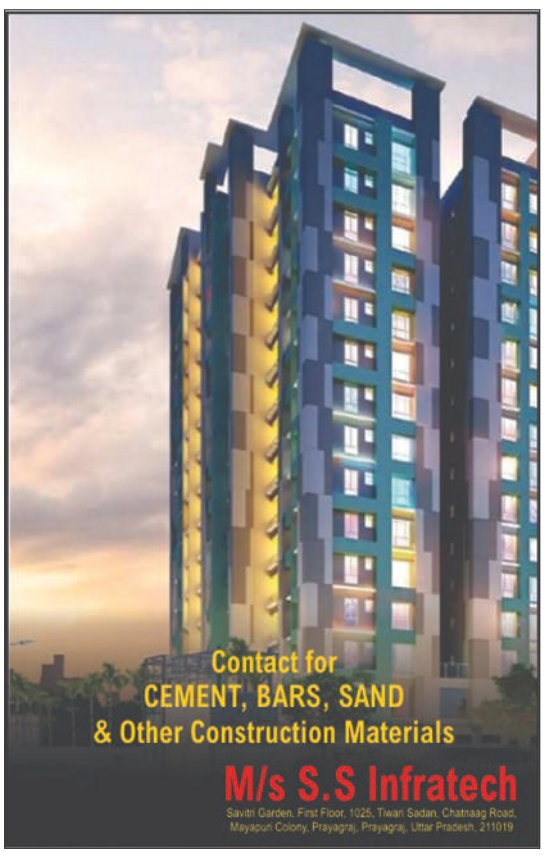

# विदर्भ से मिलेगी कांग्रेस को जीत की राह!

## राहुल का संकेत संघ के गढ़ में घुस कर बीजेपी को देंगे चुनौती

- महाराष्ट्र में बढ़ सकता है कांग्रेस का ग्राफ
- नागपुर में रैली पार्टी की रणनीति का हिस्सा
- नागपुर में ही है अंबेडकर से जुड़ी दीक्षाभूमि
- 41 फीसदी वोट शेयर के साथ कांग्रेस गठबंधन को 26 से 28 सीटों की संभावना

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। तीन राज्यों में हार के बाद कांग्रेस एकबार फिर पूरे जोश में आ गई है। आगामी लोकसभा-24 के चुनाव के मद्देनजर वह अपने सभी कील-कांटे दुरुस्त करने में लगी है। इसी के तहत जहां वह अपने सहयोगियों को जोड़ेने में लगी है वहीं वह अपने स्तर से भी कई रैली व रोड शो करने की योजना बना रही है। अभी हाल में कांग्रेस ने स्थापना दिवस के दिन रैली के लिए नागपुर को चुना। ये शहर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) का गढ़ कहा जाता है। नागपुर में कांग्रेस ने रैली से लोकसभा चुनाव के लिए शंखनाद किया है। ओपनियिन पोल के आंकड़ों के मुताबिक महाराष्ट्र में कांग्रेस बीजेपी के मुकाबले मजबूत स्थिति में दिखाई दे रही है और राहुल गांधी महाराष्ट्र पर फोकस करके अपनी मजबूत स्थिति और भी ज्यादा चाकचौबंद करने के प्लान पर काम कर रहे हैं।

2024 के लोकसभा चुनाव में पहली बार होगा जब कांग्रेस और उद्धव ठाकरे एक साथ चुनाव लड़ेंगे। साफ है कि राहुल गांधी कांग्रेस और देश को ये संदेश देना चाहते हैं कि तीन राज्यों में मिली हार के बाद भी पार्टी का कॉन्फिडेंस हाई है और वो 2024 के चुनाव के लिए पूरी तैयार हैं। नागपुर में हुई कांग्रेस की ये रैली पूरे देश में सुर्खियां बन गई, क्योंकि आरएसएस के गढ़ से राहुल ने हुंकार भरी है। जिस मैदान में कांग्रेस की इस मेगा रैली का आयोजन किया गया है, उस ग्राउंड का नाम भारत जोड़ो ग्राउंड रखा गया है। खास बात ये है कि महाराष्ट्र के जिस मैदान में कांग्रेस ने अपने 139वें स्थापना दिवस के दिन लाखों लोगों की भीड़ जुटाई, वहां से आरएसएस का मुख्यालय सिर्फ 6.5 किलोमीटर दूर है। लोगों के मन में सवाल है कि राहुल गांधी ने रैली के लिए आखिर नागपुर को ही क्यों चुना? क्या राहुल गांधी ये बताना चाहते हैं वो आएसएस के गढ़ में घुसकर चुनौती देंगे?

कांग्रेस के नेताओं से बात की तो उन्होंने साफ कहा कि नागपुर किसी और का नहीं कांग्रेस का गढ़ है, नागपुर में सिर्फ आरएसएस का मुख्यालय ही नहीं है, इस शहर में ऐतिहासिक स्थल दीक्षाभूमि भी है। दीक्षाभूमि में ही डॉ बी आर आंबेडकर ने बौद्ध धर्म अपनाया था। नागपुर से लोकसभा चुनाव के कैंपेन का आगाज कांग्रेस की चुनावी रणनीति का खास हिस्सा माना जा रहा है। कांग्रेस संदेश दे रही है कि वो वहां से चोट करना चाहती है जहां से बीजेपी के लिए एजेंडा तय होता है और बीजेपी इसका अपने ही अंदाज में जवाब दे रही है। राहुल गांधी का नागपुर डॉक्यूमेंट कितनी लंबी लकीर खींच पाता है इसके लिए तो काफी इंतजार करना पड़ेगा, लेकिन इस बात में कोई दो राय नहीं है कि नागपुर का चुनाव करके कांग्रेस कैडर का मनोबल बढ़ाने में वो कामयाब जरूर हुए हैं।

### भारत न्याय यात्रा से मिलेगा लाभ

राहुल गांधी का फोकस महाराष्ट्र पर कितना ज्यादा है उसे इस बात से समझिए कि 2024 लोकसभा चुनाव में जीत हासिल करने के मकसद से राहुल 14 जनवरी को जो भारत न्याय यात्रा शुरू करने जा रहे हैं उसका समापन मार्च महीने में मुंबई में ही होगा। सवाल पूछे जा रहे हैं कि क्या बीजेपी के राम मंदिर वाले मास्टरस्ट्रोक को काउंटर करने के लिए समारोह से ठीक पहले राहुल भारत न्याय यात्रा पर जा रहे हैं? पूरे देश में इस वक्त राम मंदिर की चर्चा है। 22 जनवरी को रामलला के प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम की चर्चा है. रामलला की मूर्ति कैसी होगी, कार्यक्रम कितना भव्य होगा, रामलला का दरबार कैसा होगा? राम भक्त इन सवालों के जवाब के लिए 22 तारीख का इंतजार कर रहे हैं और 2024 के लोकसभा चुनाव से पहले बीजेपी इसे भुना रही है। देश को बता रही है कि मंदिर को लेकर किया वादा बीजेपी ने पूरा कर दिया है। बीजेपी इसे आजाद भारत की सबसे बड़ी घटना के तौर पर पेश करने का प्लान बना रही है। 19 दिसंबर को उत्तर से लेकर दक्षिण तक की तमाम विपक्षी पार्टियों का इंडिया गठबंधन बीजेपी के खिलाफ जीत की रणनीति बना रहा था और इस बैठक में इस बात पर सबसे ज्यादा चर्चा हुई थी कि बीजेपी के राम मंदिर की काट विपक्ष को ढूंढनी होगी? बुधवार को राहुल गांधी ने भारत न्याय यात्रा शुरू करने का एलान किया है और खास बात ये है कि राहुल गांधी भारत न्याय यात्रा राम मंदिर समारोह से ठीक पहले शुरू करने जा रहे हैं. 15 जनवरी से पूजा पाठ का कार्यक्रम शुरू हो जाएगा और राहुल भारत न्याय यात्रा 14 जनवरी से शुरू करने जा रहे हैं।

### नारी, युवा और किसानों पर राहुल का फोकस

करीब एक साल पहले राहुल गांधी ने भारत जोड़ो यात्रा की थी। राहुल गांधी आगाज दक्षिण से किया था और कन्याकुमारी से चलकर 136 दिन बाद कश्मीर तक का सफर तय किया था। भारत जोड़ो यात्रा को राहुल गांधी के पॉलिटिकल करियर में एक बड़ी उपबल्धि के तौर पर गिना गया और अब ठीक एक साल बाद राहुल ने लोकसभा चुनाव से पहले यात्रा पार्ट टू के तौर पर भारत न्याय यात्रा का एलान किया है। भारत न्याय यात्रा 14 जनवरी को पूर्वोत्तर राज्य मणिपुर से शुरू होगी. 67 दिनों तक चलने वाली इस यात्रा के जरिए लगभग 6200 किलोमीटर का सफर तय किया जाएगा। राहुल की भारत न्याय यात्रा 14 राज्य और 85 जिलों से होते हुए गुजरेगी। ये यात्रा मणिपुर, नगालैंड, असम, मेघालय, पश्चिम बंगाल, बिहार, झारखंड, ओडिशा, छत्तीसगढ़, यूपी, एमपी, राजस्थान, गुजरात और आखिर में महाराष्ट्र पहुंचेगी। न्याय यात्रा नाम कांग्रेस ने इसलिए रखा है क्योंकि न्याय से मतलब नारी युवा और अन्नदाता है यानि राहुल की भारत न्याय यात्रा में नारी, युवा और अन्नदाता यानि किसानों पर फोकस रहेगा। पिछली और इस बार की यात्रा में फर्क बस इतना है कि भारत न्याय यात्रा सिर्फ पैदल नहीं होगी. बस से भी जन जन तक पहुंचा जाएगा. कांग्रेस के इस यात्रा को मणिपुर से शुरू करने के पीछे भी खास मकसद है। मणिपुर इसलिए क्योंकि पिछले साल वहां हुई हिंसा सड़क से लेकर संसद का मुद्दा बनी रही। भारत न्याय यात्रा का जो रूट मैप बनाया गया है उसमें शुरुआत में वो राज्य रखे गए हैं जो गैर बीजेपी शासित हैं। अब सवाल ये है कि भारत न्याय यात्रा का लोकसभा चुनाव में राहुल गांधी को कितना फायदा मिलेगा और इस यात्रा से राहुल क्या बीजेपी के राम मंदिर वाले मुद्दे की काट बन पाएंगे।

### नागपुर में 18 में 13 चुनाव कांग्रेस की झोली में

नागपुर को कांग्रेस अपना गढ़ क्यों बता रही है, उसे समझने की जरूरत है। 1952 से लेकर अब तक नागपुर लोकसभा सीट पर 18 बार चुनाव हुए हैं और इनमें 13 बार कांग्रेस की जीत हुई है, बीजेपी ने तीन बार नागपुर लोकसभा सीट पर चुनाव जीता है,दरअसल 2014 और 2019 में लगातार दो बार नितिन गडकरी के नागपुर से जीत दर्ज करने के बाद नागपुर बीजेपी का गढ़ माने जाना लगा। हालांकि, वो शहर नागपुर ही था जब इमरजेंसी के ठीक बाद पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने रैली की थी और विदर्भ रीजन की सारी सीटें कांग्रेस ने जीत ली थीं। नागपुर से 2024 के चुनावी कैंपेन का आगाज करने के पीछे सिर्फ आरएसएस फैक्टर नहीं है। कांग्रेस महाराष्ट्र के उस हिस्से को और मजबूत करना चाहती है जो उसके लिए बड़ी ताकत साबित होता रहा है। लोकसभा चुनाव के लिए नागपुर चुना गया, क्योंकि यूपी के बाद महाराष्ट्र वो राज्य है जहां सबसे ज्यादा लोकसभा सीटें हैं। 48 लोकसभा सीटों वाले महाराष्ट्र को कांग्रेस और मजबूत करना चाहती है। 2024 के चुनाव को लेकर जो पहला ओपिनियन पोल किया, उसमें महाराष्ट्र का मूड क्या कहता है वो समझिए। 48 लोकसभा सीटों वाले महाराष्ट्र में 37 फीसदी वोट शेयर के साथ बीजेपी गठबंधन को 19 से 21 सीटें मिलती दिख रही हैं, जबकि 41 फीसदी वोट शेयर के साथ कांग्रेस गठबंधन को 26 से 28 सीटें मिलती दिखाई दे रही हैं।

## कांग्रेस की नजर जाटों पर भी

माना जाता है कि देश में जाट बिरादरी की आबादी कुल जनसंख्या का 6 फीसदी है। पंजाब, हरियाणा, राजस्थान, दिल्ली और उत्तर प्रदेश में जाटों की आबादी अन्य राज्यों की तुलना में ज्यादा है। दिल्ली और इससे सटे राज्यों की करीब 40 लोकसभा सीटों पर जाट वोटरों का सीधा प्रभाव है। किसान आंदोलन की समाप्ति के बाद से देश की सबसे पुरानी पार्टी कांग्रेस पहलवानों के जरिए अपनी जाट राजनीति को आगे बढ़ा रही है। कांग्रेस की इस राजनीति में अतिमहत्वकांक्षी पहलवान शामिल हैं। साक्षी मलिक की कुश्ती से संन्यास, बजरंग पुनिया और विनेश फोगाट की सम्मान वापसी इसी ओर इशारा करती है कि, पहलवानों को न्याय व्यवस्था पर भरोसा नहीं है। नाराज पहलवानों से मिलने प्रियंका गांधी वाड्रा और राहुल गांधी का पहुंचना पूरी तरह साफ करता है कि, पहलवान कांग्रेस के की जाट राजनीति के टूल हैं। पहलवान आंदोलन में हरियाणा के युवा जाट नेता और राज्यसभा सांसद दीपेंद्र हुड्डा की सहभागिता और सक्रियता सार्वजनिक है। जंतर मंतर में पहलवानों के धरने के दौरान प्रियंका पहलवानों से मिलने गई थी।

ऊपरी तौर पर लड़ाई भले ही पहलवानों और कुश्ती संघ के बीच दिखाई देती हो, लेकिन इसके जड़ में जाट वोटों की राजनीति है। माना जाता है कि देश में जाट बिरादरी की आबादी कुल जनसंख्या का 6 फीसदी है। पंजाब, हरियाणा, राजस्थान, दिल्ली और उत्तर प्रदेश में जाटों की आबादी अन्य राज्यों की तुलना में ज्यादा है। दिल्ली और इससे सटे राज्यों की करीब 40 लोकसभा सीटों पर जाट वोटरों का सीधा प्रभाव है। हरियाणा में जाटों की आबादी 25 फीसदी है। पंजाब में भी जाटों की जनसंख्या 25 से 30 प्रतिशत आंकी जाती है। राजस्थान में 12 और दिल्ली में 12 फीसदी आबादी इसी बिरादरी की है। 22 करो? की जनसंख्या वाले यूपी में जाटों की आबादी महज दो फीसदी मानी जाती है, मगर पश्चिम उत्तर प्रदेश की 18 लोकसभा सीटों पर जाति का दबदबा है। हरियाणा में पिछले दस साल से भारतीय जनता पार्टी की सरकार है। किसान आंदोलन के बाद से कांग्रेस को हरियाणा में राजनीतिक संभावनाएं अपने पक्ष में दिखाई देती हैं। उसे लगता है कि किसान और पहलवानों के कंधों पर सवार होकर भाजपा को हरियाणा की सत्ता से बाहर किया जा सकता है। वहीं लोकसभा चुनाव में हरियाणा, पश्चिमी उत्तर प्रदेश, राजस्थान, दिल्ली और पंजाब के जाट वोटरों के प्रभाव वाली सीटों में भी उसे इसका फायदा मिलेगा।

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

## जिद... सच की

# नौकरशाही को जनता के प्रति जवाबदेह होना पड़ेगा

*आजकल दिल्ली में आप सरकार को वहां के नौकरशाही के बीच सबकुछ ठीक नहीं चल रहा है। आप सरकार के मंत्री ने मुख्य सचिव पर आरोप लगाया है सरकारा द्वारा बनाई गई गोपनीय दस्तावेजों को भी वह लीक कर दे रहे है। मामला इतना बढ़ गया है मुख्य सचिव पर कार्रवाई के लिए एलजी से भी शिकायत कर दी गाई। ऐसा नहीं है कि इस तरह का मामला दिल्ली में इस तरह की नौकरशाही की मनमानी कमोवेश हर राज्य में है। अक्सर खबरें मिलती हैं नौकरशाही की वजह सरकारी योजनाए विफल होजाती है। चूकि भारत में लोकतंत्र है इसलिए यहां पर नेता जनता के प्रति जवाबदेह होता है। ऐसे नौकशाही द्वारा किया मनमानापन चुनी हुई सरकारों को चुनावों में भारी पड़ जाता है। दरअसल, राजस्थान, मध्यप्रदेश और छत्तीसगढ़ की नई सरकारों ने काम संभाल लिया है। किसी भी राज्य में पारदर्शी, जवाबदेह एवं संवेदनशील सरकार बने, यह आम जनता की चाहत होती है। इसलिए जनता को राहत देने के लिए प्रशासनिक सुधारों पर ध्यान देना आवश्यक है।*

*नई सरकारों पर सबसे पहले मतदान पूर्व किए गए वादों को पूरा करने की जिम्मेदारी है। यह आसान नहीं है। सरकार के पहले सौ दिन के कार्यकाल में इन वादों को पूरा करने की दिशा में ठोस कदम नहीं उठाए गए तो जनता पर इसका विपरीत असर पडने व लोकसभा चुनावों में इसकी प्रतिक्रि या मिलना स्वाभाविक है। साथ ही कई दशकों से जाने-पहचाने सुगम मार्ग पर चलने की आदी नौकरशाही को भी कठोर अनुशासन के दायरे में लाकर चुस्त-दुरुस्त बनाना होगा। सुधारों के संदर्भ में सबसे अधिक प्रतिरोध तो नौकरशाही से ही आएगा। राजस्थान की बात करें तो तत्कालीन मोहन लाल सुखाडिया सरकार द्वारा नियुक्त हरिश्चन्द्र माथुर कमेटी की सिफारिशों में से अधिकांश कब की ही दाखिल दफ्तर हो गईं । समय-समय पर विभिन्न अवसरों पर प्रशासनिक सुधार के लिए बनी कमेटियों की प्रासंगिकता सदैव रहने वाली है। केन्द्र व राज्य सरकारों ने भी इन कमेटियों की सिफारिशों के महत्त्व को स्वीकार किया है। यदि शासन हर नागरिक के साथ उचित व्यवहार करे तो कई समस्याएं कम हो सकती हैं। नीचे के स्तर पर स्वविवेक की शक्तियों के कारण ऐसा नहीं हो पाता। गत कुछ वर्षों में स्थिति इतनी बिगड़ चुकी है कि हमारे माननीय सांसद एवं विधायक अपना मूल कार्य भूलकर अपने चहेते कर्मचारियों के हक में उनके इच्छित स्थानों पर पदस्थापन करवाने एवं जिनसे वे नाराज हो जाते है, उनका स्थानांतरण अन्यत्र कराने के लिए इच्छा पत्रों को जारी कर निष्पादित कराने में ही लंबे समय तक व्यस्त रहने लगे हैं। इससे कार्य कुशलता में वृद्धि से जनमानस में राज्य सरकार की अच्छी छवि भी उजागर हो सकेगी।*

**“ अक्सर खबरें मिलती हैं नौकरशाही की वजह सरकारी योजनाए विफल होजाती है। चूकि भारत में लोकतंत्र है इसलिए यहां पर नेता जनता के प्रति जवाबदेह होता है। ऐसे नौकशाही द्वारा किया मनमानापन चुनी हुई सरकारों को चुनावों में भारी पड़ जाता है। दरअसल, राजस्थान, मध्यप्रदेश और छत्तीसगढ़ की नई सरकारों ने काम संभाल लिया है।**

( इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं )

# चुनौतियों के बीच आगे बढ़ी अर्थव्यवस्था

जयंतीलाल भंडारी

यकीनन बीत रहे वर्ष 2023 में जहां वैश्विक स्तर पर निर्मित आर्थिक और वित्तीय चुनौतियों से भारत के आर्थिक परिदृश्य पर कई मुश्किलें दिखाई दीं, वहीं भारतीय अर्थव्यवस्था घरेलू मांग, निवेश तथा मजबूत आर्थिक बुनियाद के दम पर दुनिया की तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था के रूप में रेखांकित हुई है। यदि 2023 की शुरुआत से दिसंबर तक देश का आर्थिक घटनाक्रम देखें तो प्रमुखतया महंगाई, रोजगार, रुपये की कीमत, विदेशी मुद्रा भंडार, विदेशी कर्ज, व्यापार घाटा, मानव विकास सूचकांक चिंताजनक आर्थिक मुद्दे रहे हैं। महंगाई के मोर्चे पर मुश्किलें लगभग वर्ष भर बनी रहीं। इस्त्राइल-हमास युद्ध, रूस-यूक्रेन युद्ध, ओपेक संगठन द्वारा तेल उत्पादन में कटौती, वैश्विक खाद्यान्न उत्पादन में कमी ने भी महंगाई बढ़ाई। इस महंगाई ने आम आदमी से लेकर सरकार के लिए भी चिंताएं पैदा की।

खासतौर से नवंबर के बाद एक बार फिर थोक एवं खुदरा महंगाई बढ़ने लगी। खाद्य महंगाई की दर बढ़कर 8.7 फीसदी से अधिक पहुंच गई। वर्ष 2023 में रोजगार की स्थिति संसद की बहस से लेकर युवाओं की चिंता का कारण बनी रही। इस वर्ष में वैश्विक सुस्ती के कारण जो-जो उद्योग-कारोबार प्रतिकूल रूप से प्रभावित हुए वहां रोजगार के कम मौके निर्मित हुए। लेकिन गिग अर्थव्यवस्था और असंगठित सेक्टर में मौके बढ़ने से बेरोजगारी दर जो 2017-18 में छह फीसदी थी वह 2022-23 में घटकर 3.2 फीसदी रही। जहां इस वर्ष में आईटी बाजार की रोजगार तस्वीर बदल गई और बड़ी संख्या में कर्मचारियों को नौकरी छोड़नी पड़ी तथा नई नियुक्ति का अनुपात भी घट गया। वहीं विमानन और फार्मा जैसे सेक्टरों में कुशल पेशेवरों की मांग बढ़ी है। यद्यपि भारत ने चालू वर्ष 2023 में वैश्विक मंदी की चुनौतियों के बीच निर्यात बढ़ाने व आयात घटाने के अधिकतम प्रयास किए। फिर भी इस साल निर्यात तेजी से नहीं बढ़ पाए तथा विदेशी मुद्रा की अन्य साधनों से कमाई भी कम रही, इससे व्यापार घाटा बढ़ा। अप्रैल से अक्टूबर 2023 के दौरान जहां भारत से 437.54 अरब डॉलर मूल्य का वस्तु निर्यात हुआ वहीं भारत में 495.17 अरब डॉलर मूल्य का आयात हुआ है।

बीत रहे वर्ष में रुपया वर्षभर लुढ़कता रहा। अमेरिका के केंद्रीय बैंक फेडरल रिजर्व द्वारा मौद्रिक नीति सख्त बनाए जाने से वर्षभर डॉलर की तुलना में रुपये की कीमत घटती गई और

दिसंबर में डॉलर के मुकाबले रुपया निचले स्तर पर लुढ़ककर 84 तक पहुंच गया। शुरुआती महीनों में देश के विदेशी मुद्रा भंडार में लगातार गिरावट आई। इस गिरावट का कारण निर्यात में कमी, आयात में वृद्धि व डॉलर की तुलना में रुपये को थामने के लिए रिजर्व बैंक द्वारा विदेशी मुद्रा कोष में संचित डॉलर की बिक्री किया जाना भी रहा। फिर भी दिसंबर में विदेशी मुद्रा कोष कुछ बढ़कर करीब 616 अरब डॉलर से अधिक के स्तर पर पहुंच गया। देश पर विदेशी कर्ज भी वर्ष 2023 में चिंता का कारण रहा। सरकार ने लोकसभा में बताया कि पिछले नौ वर्षों में देश पर विदेशी कर्ज की राशि तकरीबन तीन गुनी बढ़ी है। हालांकि सकल घरेलू उत्पाद के मुकाबले विदेशी कर्ज चुनौतीपूर्ण स्थिति में नहीं है। बीत रहे वर्ष में संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम द्वारा प्रकाशित मानव विकास सूचकांक में 189 देशों की सूची में भारत 132वें पायदान पर पाया गया। रिपोर्ट के मुताबिक जीवन प्रत्याशा, स्वास्थ्य व शिक्षा की बड़ी चुनौतियां भारत के समक्ष बनी हुई हैं। निश्चित रूप से इन विभिन्न आर्थिक चुनौतियों के बीच भी वर्ष 2023 में भारतीय अर्थव्यवस्था का प्रदर्शन कई मोर्चों पर बेहतर रहा और भारत की कई आर्थिक उपलब्धियां दुनिया में रेखांकित हुई। कारोबारी और वित्तीय परिदृश्य विस्तार को लेकर आशावादी रहा और विकास मूलक संकेत देता रहा। विनिर्माण, खनन, निर्माण तथा औद्योगिक उत्पादन में वृद्धि हुई है। खासतौर से मैन्युफैक्चरिंग, कृषि, कंस्ट्रक्शन, सीमेंट, इलेक्ट्रिसिटी, होटल, ट्रांसपोर्ट, ऑटो मोबाइल, फॉर्मा, केमिकल, फुड प्रोसेसिंग और टेक्सटाइल, ई-कॉमर्स, बैंकिंग, मार्केटिंग, डेटा एनालिसिस, साइबर सिक्योरिटी, आईटी, टूरिज्म, रिटेल ट्रेड आदि क्षेत्रों में रोजगार और स्वरोजगार के मौके बढ़ते हुए दिखाई दिए।

मुद्रास्फीति मौद्रिक प्रयासों से नियंत्रण में रही। कर राजस्व में सुधार हुआ। सेंसेक्स और निफ्टी नई ऊंचाइयों पर पहुंच गए। वर्ष 2023 में घरेलू अर्थव्यवस्था की तेज ग्रोथ से भारत ब्रिटेन को पीछे करते हुए दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया। आईएमएफ सहित दुनिया की कई रेटिंग एजेंसियों ने वर्ष 2023 में भारत की 6.3 फीसदी से अधिक विकास दर के अनुमान प्रस्तुत किए हैं।

# संवैधानिक प्रावधान और अस्मिता के प्रश्न

जयसिंह रावत

**कहीं-न-कहीं जनभावनाओं का यह उफान फिलहाल लोगों की सांस्कृतिक पहचान के लिये ज्यादा लगता है। जमीनों की खरीद-फरोख्त पर मजबूत भू-कानून के जरिये रोक लगाने की मांग भी पहाड़ी लोगों की सांस्कृतिक पहचान अक्षुण रखने के लिये ही है। लेकिन मूल निवास का मुद्दा अन्ततः नौकरियों और अन्य सरकारी सुविधाओं तक ही पहुंचेगा, जिसे संवैधानिक रुकावटों से गुजरना होगा।**

वर्षान्त में मूल निवास व मजबूत भूमि कानून की मांग को लेकर देहरादून में आहूत महारैली में जिस तरह जनसैलाब उमड़ा उसे उत्तराखण्ड की जनता की भावनाओं का उद्वेग ही कहा जा सकता है। कहीं-न-कहीं जनभावनाओं का यह उफान फिलहाल लोगों की सांस्कृतिक पहचान के लिये ज्यादा लगता है। जमीनों की खरीद-फरोख्त पर मजबूत भू-कानून के जरिये रोक लगाने की मांग भी पहाड़ी लोगों की सांस्कृतिक पहचान अक्षुण रखने के लिये ही है। लेकिन मूल निवास का मुद्दा अन्ततः नौकरियों और अन्य सरकारी सुविधाओं तक ही पहुंचेगा, जिसे संवैधानिक रुकावटों से गुजरना होगा। संविधान अपने नागरिकों को समानता के मौलिक अधिकार के साथ राज्य के अधीन किसी भी पद के संबंध में धर्म, मूलवंश, जाति, लिंग, जन्मस्थान, निवास या इसमें से किसी आधार पर भेदभाव की स्पष्ट मनाही करता है।

सवाल केवल उत्तराखण्ड के मूल निवास आन्दोलन तक सीमित नहीं है। मध्य प्रदेश की पूर्ववर्ती शिवराज सिंह चौहान सरकार द्वारा जन्म के आधार पर राज्यवासियों को सरकारी नौकरियों में आरक्षण की घोषणा की जा चुकी थी। मूल निवास के आधार पर विरोध और समर्थन की बहसों के बावजूद कुछ राज्यों में जन्म के आधार पर और कुछ में भाषा के आधार पर आरक्षण की व्यवस्था लागू हो चुकी है। आरक्षण का मुद्दा एक संवैधानिक विषय है, विभेद विहीन समान अवसरों की गारंटी देने वाले अनुच्छेद 16 के उपखण्डों में संशोधन संसद ही कर सकती है। मूल निवास या जन्म के आधार पर आरक्षण की बात उठती है तो संविधान के अनुच्छेद 16के उपखण्डों का जिक्र आवश्यक है। संविधान में अनुच्छेद-16 सरकारी नौकरियों में अवसर की समानता को संदर्भित करता है जबकि अनुच्छेद 16(1) राज्य के अधीन किसी भी पद पर रोजगार या नियुक्ति से संबंधित मामलों में सभी नागरिकों के लिए अवसरों की समानता की गारंटी देता है।

अनुच्छेद 16(2) स्पष्ट करता है कि कोई भी नागरिक केवल धर्म, मूलवंश, जाति, लिंग, वंश, जन्म स्थान, निवास के आधार पर राज्य के तहत किसी भी रोजगार या कार्यालय के लिए अयोग्य नहीं होगा या उसके साथ भेदभाव नहीं किया जाएगा। लेकिन अनुच्छेद 16(3) इन कानूनों को अपवाद प्रदान करता है। इसमें कहा गया है कि संसद उस राज्य या केंद्र शासित प्रदेश के भीतर निवास के किसी विशेष स्थान की आवश्यकता निर्धारित करने वाला कोई भी कानून बना सकती है जिसमें सार्वजनिक पद या रोजगार हो। इसका मतलब यह है कि जन्म स्थान के आधार पर सार्वजनिक रोजगार में आरक्षण के बारे में निर्णय केवल भारत की संसद ही ले सकती है, किसी राज्य की कोई विधायिका नहीं।

संसद अब तक इस प्रावधान का लाभ आंध्र प्रदेश, मणिपुर, त्रिपुरा और हिमाचल प्रदेश को दे चुकी है। कुछ राज्यों को छूट और कुछ को छूट से वंचित रखना भी राज्यों के समानता के अधिकार का हनन है। महाराष्ट्र में, जो कोई भी 15 साल या उससे अधिक समय से राज्य में रह रहा है, वह सरकारी नौकरियों के लिए तभी पात्र है, जब वह मराठी में पारंगत हो। तमिलनाडु भी ऐसी परीक्षा आयोजित करता है। पश्चिम बंगाल जैसे राज्यों ने मूल निवास के बजाय भाषा को राज्य की सेवाओं में नियुक्ति का आधार बनाया है। इसके अतिरिक्त, संविधान के अनुच्छेद 371 में कुछ राज्यों के लिए विशेष प्रावधान भी हैं। संविधान के अनुच्छेद 371डी के तहत, आंध्र प्रदेश को निर्दिष्ट क्षेत्रों में स्थानीय कैडरों की सीधे भर्ती करने की अनुमति है। संविधान के अनुच्छेद 19 (ई) के तहत, प्रत्येक नागरिक को भारत के किसी भी हिस्से में निवास करने और बसने का अधिकार है।

इसके अलावा किसी भी राज्य में किसी भी सार्वजनिक पद पर भर्ती होने पर व्यक्ति के साथ उनके जन्म स्थान के आधार पर भेदभाव नहीं किया जा सकता है। संविधान कुछ प्रतिबंधों के बावजूद शैक्षिक, आर्थिक और सामाजिक रूप से पिछड़े असमान लोगों को समानता के स्तर तक लाने के लिये अनुच्छेद 15 (4) और 16(4) के जैसे सकारात्मक प्रावधान भी करता है। जो राज्य को उन समुदायों के लिए उच्च शैक्षणिक स्थानों और नियुक्तियों में प्रवेश के आरक्षण के लिए विशेष प्रावधान करने की अनुमति देते हैं। दरअसल, देश के सुप्रीम कोर्ट ने भी प्रदीप जैन बनाम भारत संघ के मामले में भूमिपुत्रों के लिए नौकरियां आरक्षित करने की नीतियों को संविधान का उल्लंघन माना था। सन 1995 में भी सुप्रीम कोर्ट ने सुनंदा रेड्डी बनाम आंध्र प्रदेश राज्य के मामले में, प्रदीप जैन वाले मामले के फैसले को बरकरार रखा और उस नीति को रद्द कर दिया, जिसमें शिक्षा के माध्यम के रूप में तेलुगु वाले उम्मीदवारों के लिए अंकों में 5 प्रतिशत अतिरिक्त वेटेज की अनुमति दी गई थी। लेकिन जब संसद कुछ राज्यों को जन्म या निवास के आधार पर आरक्षण देने की छूट दे चुकी है तो उसे अब समानता के अधिकार को समान बनाने की पहल भी करनी चाहिए।

## 4-6 माह तक सिर्फ मां का दूध पिलाएं

जन्म के तुरंत बाद मां के शरीर में जो दूध बनता है, उसे कोलस्ट्रम कहते हैं। ये दूध बहुत ज्यादा पौष्टिक होता है और शिशु की रोग प्रतिरोधक क्षमता का आधार तैयार करता है। इसलिए जन्म के बाद शिशु को मां का गाढ़ा-पीला दूध जरूर पिलाएं। इस दूध में व्हाइट ब्लड सेल्स होते हैं, जो इम्यूनिटी के लिए बहुत जरूरी है। इसके अलावा जन्म से 4-6 माह की उम्र तक सिर्फ मां का ही दूध पिलाएं। ये दूध ही शिशु को पोषण देगा और उसके शरीर और इम्यून सिस्टम को विकसित करेगा। इसके अलावा शिशु को बिना डॉक्टर की सलाह के कोई अन्य चीज न खिलाएं।

## ज्यादा देर सुलाएं

क्या आपको पता है कि नींद हमारे शरीर के लिए सबसे बड़ी इम्यूनिटी बूस्टर है? बच्चों के लिए भी ये बात पूरी तरह सही है। बस अंतर है इतना है कि बड़ों को एक दिन में लगभग 9 घंटे की नींद लेनी जरूरी है, जबकि नन्हें बच्चों को कम से कम 16 घंटे जरूर सुलाना चाहिए। वहीं थोड़े बड़े बच्चों को 11 से 14 घंटे की नींद जरूरी है। इसलिए बच्चों को ज्यादा समय सुलाएं और सोने के लिए सही माहौल बनाएं। बच्चों को फर वाले मुलायम बिस्तर पर सुलाएं, ताकि उन्हें अच्छी और गहरी नींद आए।

## 6 माह बाद खिलाएं ये आहार

शिशु के इम्यून सिस्टम को मजबूती देने के लिए और उसके शरीर की मिनरल्स और विटामिन्स की जरूरत को पूरा करने के लिए आपको छठवें महीने से ही उसे ठोस आहार देना शुरू करना चाहिए। जब आप शिशु को ठोस आहार देना शुरू करें, तो टॉफी, बिस्किट, पफ्स, चिप्स नहीं, बल्कि उबली हुई सब्जियां, गाढ़ी दाल, फलों को मीसकर दें या फिर नट्स को भिगोकर पीसकर दें। चूंकि इन सभी आहारों में अच्छी मात्रा में विटामिन्स और एंटीऑक्सीडेंट्स होते हैं, इसलिए ये शिशु के इम्यून सिस्टम को मजबूती देते हैं।

# शिशु की ऐसे बनाएं मजबूत इम्यूनिटी

नन्हे शिशुओं की इम्यूनिटी बहुत कमजोर होती है इसलिए वे बहुत जल्दी जुकाम, बुखार, सर्दी और वायरल बीमारियों की चपेट में आते हैं। दरअसल गर्भ में तो मां की इम्यूनिटी शिशु की रक्षा करती है, लेकिन उसके अपने शरीर का इम्यून सिस्टम तब विकसित होना शुरू होता है, जब शिशु गर्भ से बाहर आता है। आमतौर पर इम्यूनिटी को ठीक तरह से विकसित होने में 3-4 साल लग जाते हैं। इस बीच अगर आप नन्हे शिशुओं की विशेष तरीके से देखभाल करें और कुछ टिप्स को अपनाएं, तो उनकी इम्यूनिटी ज्यादा अच्छी डेवलप होगी। इम्यूनिटी बूस्ट करने की जरूरत सबसे ज्यादा उन बच्चों को होती है, जो जल्दी-जल्दी बीमार पड़ते हैं या कमजोर पैदा होते हैं या फिर 8 महीने से पहले पैदा होते हैं।

## मालिश और एक्सरसाइज कराएं

शरीर की मालिश करने से भी शिशु की हड्डियां मजबूत होती हैं और इम्यून सिस्टम अच्छी तरह विकसिता होता है। इसलिए बच्चों को सुबह-सुबह थोड़ी देर धूप में लिटाकर मालिश करें और साथ ही साथ उनके अंगों को हिला-डुलाकर हल्की-फुल्की एक्सरसाइज कराते रहें, ताकि शरीर की फ्लेक्सिबिलिटी बनी रहे। लेकिन यह भी ध्यान दें कि शिशु के अंगों को बहुत अधिक झटका न दें, अन्यथा उसकी हड्डियां या मांसपेशियां खिंच सकती हैं।

## थोड़ा धूप में ले जाएं

विटामिन D हम सभी के शरीर में इम्यूनिटी के लिए बड़ा महत्वपूर्ण स्थान रखता है। शिशु को दूध के द्वारा जो भी कैल्शियम मिलता है, वो किसी काम का नहीं रहेगा अगर उसे पर्याप्त विटामिन डी नहीं मिलेगा। इसका कारण यह है कि विटामिन डी ही शरीर में कैल्शियम को अवशोषित होने में मदद करता है। विटामिन डी का सबसे अच्छा स्रोत सूरज की किरणें हैं। इसलिए बच्चों को रोजाना थोड़ी देर हल्की धूप में लेकर जाएं। धूप आपके शिशु को जुकाम, खांसी बुखार जैसी वायरल बीमारियों से बचाएगी।

## हंसना मना है

वाईफ- जानू हम ना..मंडे .. शॉपिंग, ट्यूसडे .. होटल, वेडनेसडे .. आउटिंग, थर्सडे .. डिनर, फ्राइडे .. मूवी, सैटरडे .. पिकनिक जायेंगे। कितना मजा आएगा ना। हसबेंड- येस, और संडे मंदिर.. वाइफ- क्यों..? हसबेंड- भीक मांगने।

अमीर आदमी- आज मेरे पास 14 कार,18 बाइक्स, 4 बंगले, 3 फार्महाउस हैं, तुम्हारे पास क्या है? गरीब आदमी- मेरे पास बेटा है, जिसकी गर्लफ्रेंड तेरी बेटी है।

पत्नी- शरम नहीं आती, दुसरी औरत को घुर-घुर कर देख रहे हो! अब तुम शादी शुदा हो। पति- ऐसा कहां लिखा है की उपवास हो तो खाने का मेनू भी नही देख सकते।

मुकेश अंबानी- अगर मैं सुबह से अपनी कार में निकलूं तो शाम तक अपनी आधी प्रॉपर्टी भी नहीं देख सकता, संता- हमारे पास भी ऐसी ही खटारा कार थी, बेच दी।

सरदार अपनी बीवी के साथ टॅक्सी में बैठा, ड्राइवर ने आईना सेट किया, ये देखते ही सरदार- ( गुस्से में ) साले मेरी बीवी को देखता है, तु पीछे बैठ टैक्सी मैं चलाऊंगा!

## कहानी — रंग-बिरंगे नाखून

एक बार राजा कृष्णदेव राय के दरबार में एक बहेलिया आया। बहेलिये को देख राजा काफी खुश हुए, क्योंकि राजा को पशु-पक्षी बहुत प्यारे थे और बहेलिया एक रंग-बिरंगा सुंदर पक्षी दरबार में लेकर आया था। दरबार में आकर बहेलिया बोला कि महाराज, मैं कल ही इस खूबसूरत और विचित्र पक्षी जंगल से पकड़कर लाया हूं। यह बहुत सुरीला है और तोते की तरह बात कर सकता है। साथ ही यह मोर की तरह नाच भी सकता है। इसलिए मैं इस पक्षी को आपके पास बेचने के लिए लाया हूं।'महाराज काफी खुश हुए और बोले कि देखने में तो यह पक्षी खूबसूरत नजर आ रहा है। मैं इसे जरूर खरीदूंगा और तुम्हें उचित इनाम भी दिया जाएगा।' राजा ने बहेलिये को 50 सोने के सिक्के दिए और पक्षी को शाही बगीचे में रखने का आदेश भी दिया। यह देख तेनालीराम से रहा न गया और कहा कि महाराज मुझे नहीं लगता है कि यह पक्षी मोर की तरह नाच सकता है। मुझे तो यह भी लगता है कि यह पक्षी कई सालों से नहाया तक नहीं है।'यह सुनते ही बहेलिया घबरा गया और रोने वाला मुंह बनाकर बोला कि महाराज मैं बहुत ही गरीब बहेलिया हूं। पंछियों को पकड़कर और उन्हें बेचकर ही मेरा घर चलता है। जितना मैं पशु-पक्षियों को जानता हूं, उसे प्रमाण की जरूरत नहीं है और न ही शक किया जाना चाहिए। बेशक, मैं गरीब हूं, लेकिन इसका मतलब यह नहीं कि तेनाली राम जी मुझे गरीब कहेंगे?'यह बात सुनकर महाराज भी तेनाली राम पर नाराज हुए। उन्होंने तेनाली से कहा कि क्या तुम अपनी इस बात को साबित कर सकते हो?'इतने में तेनाली ने कहा कि हां, महाराज मैं साबित कर सकता हूं।' ऐसा कहते हुए तेनाली एक जग में पानी भकर ले आए और पिंजरे में बंद पक्षी पर डाल दिया। ऐसा करते ही दरबार में बैठा हर कोई आश्चर्यचकित होकर पक्षी की तरफ देखने लगा। राजा भी पक्षी को देखकर चौंक गए। तेनाली राम ने जैसे ही पक्षी पर पानी डाला, उस पर लगा सारा रंग उतर गया। पिंजरे में बंद पक्षी का रंग हल्का भूरा हो गया। राजा चौंक कर तेनाली की तरफ देखने लगे। तेनाली ने झट से राजा से कहा कि 'महाराज यह एक जंगली कबूतर है न कि कोई विचित्र पंछी।'महाराज ने तेनाली से पूछा कि तेनाली तुम्हें इस बात का कैसे पता चला कि इस पक्षी को रंगा गया है?' तेनाली ने जवाब दिया कि 'महाराज बहेलिये के नाखूनों पर गौर करें। बहेलिये के रंगीन नाखून और पक्षी का रंग एक जैसा ही है। इस बात से यह पता चल जाता है कि बहेलिये ने पक्षी को रंगा था।' यह सब देखकर बहेलिया वहां से भागने ही वाला था कि सैनिकों ने उसे पकड़ लिया। राजा ने उसे जेल में बंदी बनाने का आदेश दिया और उसके सोने के सिक्के तेनालीराम को दे दिए।

## 7 अंतर खोजें

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

## जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

**मेष** आय होगी। विवेक का प्रयोग करें। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। मित्रों का सहयोग प्राप्त होगा। व्ययवृद्धि से तनाव रहेगा। किसी व्यक्ति के उकसावे में न आएं।

**वृषभ** भाग्योन्नति के प्रयास सफल रहेंगे। विवाद से बचें। आवश्यक वस्तु गुम हो सकती है। बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे। लंबी यात्रा हो सकती है। लाभ होगा।

**मिथुन** रोजगार में वृद्धि होगी। व्यावसायिक यात्रा लाभदायक रहेगी। बेरोजगारी दूर करने के प्रयास सफल रहेंगे। नवीन वस्त्राभूषण की प्राप्ति होगी।

**कर्क** व्यवसाय मनोनुकूल लाभ देगा। कार्य पूर्ण होंगे। प्रसन्नता रहेगी। प्रतिष्ठा बढ़ेगी। भाग्य का साथ मिलेगा। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। जोखिम न लें।

**सिंह** नौकरी में चैन रहेगा। घर-बाहर प्रसन्नता बनी रहेगी। दुष्टजन हानि पहुंचा सकते हैं। ध्यान रखें। तीर्थदर्शन हो सकता है। सत्संग का लाभ मिलेगा।

**कन्या** नए मित्र बनेंगे। अच्छी खबर मिलेगी। प्रसन्नता रहेगी। लाभ में वृद्धि होगी। मित्रों के सहयोग से किसी बड़ी समस्या का हल मिलेगा।

**तुला** नौकरी में प्रभाव बढ़ेगा। कोई बड़ा कार्य करने की योजना बन सकती है। कार्यसिद्धि होगी। सुख के साधनों पर व्यय होगा। प्रसन्नता रहेगी। प्रमाद न करें।

**वृश्चिक** आय में वृद्धि होगी। व्यस्तता रहेगी। मित्रों की सहायता कर पाएंगे। संपत्ति के बड़े सौदे बड़ा लाभ दे सकते हैं। प्रॉपर्टी ब्रोकर्स के लिए सुनहरा मौका साबित हो सकता है।

**धनु** कार्यसिद्धि से प्रसन्नता रहेगी। आय में वृद्धि होगी। सामाजिक कार्य करने के अवसर मिलेंगे। घर-बाहर पूछ-परख रहेगी। जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे।

**मकर** आय में निश्चितता रहेगी। व्यवसाय ठीक चलेगा। लेन-देन में सावधानी रखें। किसी भी अपरिचित व्यक्ति पर अंधविश्वास न करें। शोक संदेश मिल सकता है।

**कुम्भ** बौद्धिक कार्य सफल रहेंगे। किसी प्रबुद्ध व्यक्ति का मार्गदर्शन मिल सकता है। यात्रा मनोरंजक रहेगी। पारिवारिक मांगलिक कार्य हो सकता है।

**मीन** व्यापार ठीक चलेगा। जोखिम व जमानत के कार्य बिलकुल न करें। वाहन, मशीनरी व अग्नि आदि के प्रयोग से हानि की आशंका है, सावधानी रखें।

बॉलीवुड | मन की बात

# रणवीर कपूर संग काम करना चाहती हैं एक्ट्रेस शहनाज गिल

सलमान खान के कॉन्ट्रोवर्शियल शो से फेमस हुई एक्ट्रेस शहनाज गिल हाल ही में फिल्म थैंक यू फॉर कमिंग में नजर आईं थीं। उन्होंने अपने चुलबुले पन और एक्टिंग से लाखों लोगों को अपना दीवाना बनाया है। यह साल शहनाज के लिए काफी खास रहा है क्योंकि 2023 में उन्होंने सुपरस्टार सलमान खान के साथ बॉलीवुड में अपना डेब्यू किया था।अब एक इंटरव्यू में शहनाज ने बॉलीवुड के एक सुपरस्टार के साथ काम करने की इच्छा जताई है। हाल ही में, मीडिया से बातचीत में एक्ट्रेस ने अपनी लाइफ से जुड़ी कई बातों को शेयर किया। इसके साथ ही उन्होंने यह भी बताया कि यह साल उनका काफी बेहतरीन रहा है। उन्होंने अपने नजरिए को बदला। एक्ट्रेस ने कहा कि मैं अब पूरी तरह से तो नहीं, लेकिन थोड़ा और मेच्योर हो गई हूं। पहले मैं बहुत बचकानी हुआ करती थी। मैं अब कुछ स्थितियों को बेहतर ढंग से संभालना और निपटना जानती हूं। एक्ट्रेस से जब पूछा गया कि अब वह सलमान खान के बाद किसके साथ काम करना चाहती हैं, तो उन्होंने कहा कि आगे बढ़ते हुए मैं सभी सुपरस्टार्स के साथ काम करना चाहता हूं, लेकिन अगर मैं किसी के बारे में सोचूं, तो वह रणबीर कपूर होंगे। मैं उनसे पर्सनली कभी नहीं मिली हूं, लेकिन मैंने उनको दूर से इवेंट में देखा है। इसके साथ ही एक्ट्रेस ने बताया कि अब उन्हें ऑडिशन देने में कोई दिक्कत नहीं है। उन्हें पता चल गया है कि यह उस तरह की फिल्में और किरदार पाने का एकमात्र तरीका है, जो वह चाहती हैं। मैं बिग बॉस से पहले ऑडिशन देने नहीं गई। अब मैं ऑडिशन देने के लिए तैयार हूं। पहले मुझे ऑडिशन की कीमत नहीं पता थी, लेकिन अब मुझे पता है।

# एक बार फिर वरुण की दुल्हनियां बनेंगी आलिया

वरुण धवन एक बार फिर से दूल्हा बनने जा रहे हैं। रियल लाइफ में नहीं बल्कि रील लाइफ में। वरुण धवन अपनी सुपरहिट रोमांटिक कॉमेडी फिल्म हम्टी शर्मा की दुल्हनिया और बद्रीनाथ की दुल्हनिया फ्रेंचाइजी की अगली कड़ी में नजर आने वाले हैं। इस फिल्म को शशांक खेतान डायरेक्ट करेंगे, जिन्होंने दुल्हनियां फ्रेंचाइजी की दोनों फिल्मों को निर्देशित किया था। फिल्म के दोनों भाग में आलिया भट्ट और वरुण धवन लीड रोल में थे। इस जोड़ी को दर्शकों ने काफी पसंद किया था। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, निर्माता करण जौहर, डायरेक्टर शशांक खेतान और वरुण धवन ने दुल्हनिया 3 की कहानी के लिए कई आइडिया पर चर्चा की और अंत में एक को फाइनल किया। यह फिल्म अगले साल 2024 के अंत में फ्लोर पर जाएगी। इस फिल्म में भी वरुण धवन के साथ आलिया भट्ट ही मुख्य भूमिका में होंगी। वरुण और आलिया का हम्टी शर्मा की दुल्हनिया और बद्रीनाथ की दुल्हनिया से गहरा नाता रहा है। इन दोनों सितारों के करियर को आगे बढ़ाने में दुल्हनिया फ्रेंचाइजी की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। वहीं, करण जौहर भी आलिया और वरुण के साथ दुल्हनियां 3 को बनाने को लेकर काफी एक्साइटेड हैं। बता दें कि कुछ महीने पहले भी करण जौहर ने इस फिल्म की अगली कड़ी के संकेत दिए थे। हालांकि, तब फिल्म की कहानी फाइनल नहीं हुई थी। करण ने अपने

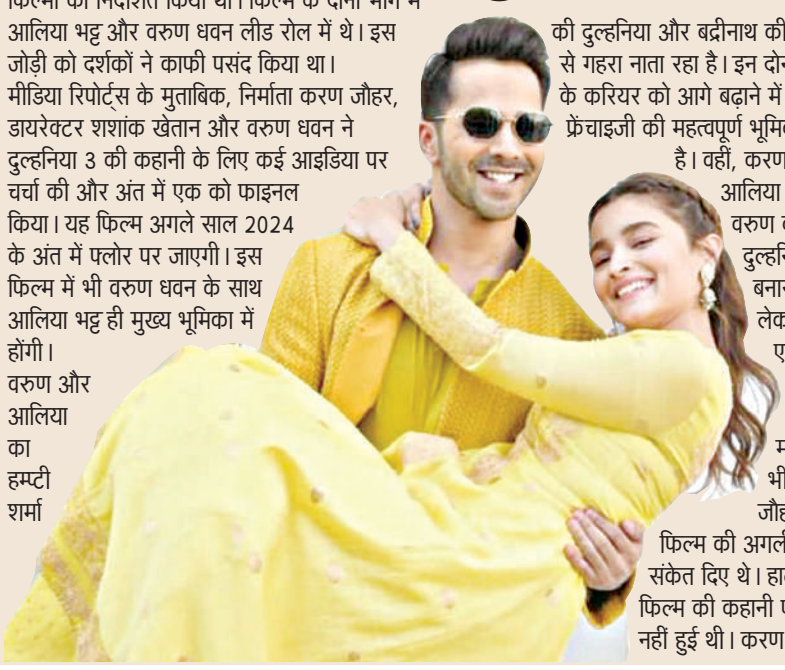

भोजपुरी | मसाला

इंस्टाग्राम लाइव सेशन में एक फैंस के सवाल का जवाब देते हुए कहा था, दुल्हनिया एक बेहतरीन फ्रेंचाइजी है। यह हमारी प्रीमियर फ्रेंचाइजी में से एक है, जो प्यार और भावनाओं से भरपूर है। दो प्यार करने वाले लोगों के साथ भावनाओं और कॉमेडी का मिश्रण दर्शकों का भरपूर मनोरंजन करेगा। हमें उम्मीद है कि हम दुल्हनिया फ्रेंचाइजी को एक दिलचस्प कहानी के साथ वापस लेकर आएंगे।

मीडिया रिपोर्ट्स की माने तो फिलहाल वरुण पिता डेविड धवन के साथ अपनी अगली फिल्म पर काम कर रहे हैं। इसे रमेश तौरानी प्रोड्यूस कर रहे हैं। यह फिल्म डेविड धवन के कॉमेडी यूनिवर्स की तर्ज पर आधारित है, जिसमें दो फीमेल लीड होंगी। फिल्म की कहानी हीरो के लव लाइफ और फैमिली ड्रामा कॉमेडी होगी। एक बार फिर से अपने पिता के साथ काम करने को लेकर वरुण धवन काफी उत्साहित हैं।

# हॉलीवुड फिल्म में विलेन अवतार में दिखीं काजोल

काजोल की आखरी बार वेब सीरीज द ट्रायल-प्यार, कानून, धोखा से ओटीटी पर डेब्यू किया है, जिसमें काजोल के किरदार की खूब तारीफ हो रही है। अब एक्ट्रेस ने हैनिबल जोकि एक अमेरिकन साइकोलॉजिकल थ्रिलर सीरीज हैं उसके एक विलेन के रूप में अपनी एआई तस्वीर शेयर की है। इस पर उनके फैंस भी जमकर अपना रिएक्शन दे रहे हैं।

काजोल ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर दो तस्वीरें शेयर की हैं। यह फोटोज उनके एआई वर्जन की है। इन फोटोज में उनका विलेन का अवतार देखने को मिल रहा है। फोटो को शेयर करते हुए एक्ट्रेस ने कैप्शन में लिखा आखिरकार मैं इस विचार को घर ले आई, यह सार्थक है। मुझे यह पसंद है, शायद किसी दिन इसे आजमाएं। इसके साथ ही उन्होंने हैशटैग के साथ लिखा मेरा विलेन इरा शुरू और मेरा हैनिबल लुक। फोटोज में काजोल का लुक बिल्कुल हैनिबल सीरीज के करैक्टर की तरह लग रहा है। इन फोटो में वह ऑल ब्लैक लुक में दिखाई दे रही हैं। काजोल के ये पोस्ट शेयर करते ही उनके फैंस ने कमेंट सेक्शन में बाढ़ ला दी। सबको उनका ये

अनोखा लुक बहुत शानदार लग रहा है। कुछ फैंस ने काजोल को हॉट विलेन बताया, तो कुछ ने उन्हें सच में इस सीरीज का हिस्सा बनने और उस तरह की भूमिका निभाते हुए देखने के लिए भी कहा। एक यूजर ने लिखा वाह, मुझे लुक 2 बहुत पसंद है और मैं इसमें आपको एक बदमाश और शानदार अभिनय करते हुए देखना चाहता हूं। उनके फैंस इन तस्वीरों में उन्हें देखते रह गए हैं।

अजब-गजब | कई बार आक्रमण हुआ लेकिन कोई इसके किले तक नहीं पहुंच पाया

# इसे कहा जाता है दुनिया का अजेय किला

दुनिया में एक से एक अजेय किले रहे हैं, जिन पर कई बार आक्रमण हुआ, लेकिन कोई दुश्मन उसकी सरहद तक नहीं पहुंच सका। आज हम आपको एक ऐसे ही किले के बारे में बताने जा रहे हैं जो सैकड़ों साल से अजेय खड़ा है। कोई भी दुश्मन उसे कभी जीत नहीं पाया। कुमामोतो कैसल या काला महल के नाम से मशहूर यह किला जापान के कुमामोतो शहर में है। यह किला देखने में जितना विचित्र लगता है, इसकी कहानी और भी दिलचस्प है।

कुमामोतो कैसल जापान के चार बड़े द्वीपों में से एक क्यूशू के कुमामोतो शहर में स्थित है। इसकी सबसे बड़ी खूबी इसका रंग है। दुनिया में आपने जितने भी किले देखे होंगे वे ज्यादातर पत्थरों के बने हुए हैं। जिनका रंग लाल है या फिर सफेद, लेकिन कुमामोतो कैसल बिल्कुल काला है, जो आम तौर पर किसी इमारत का रंग नहीं होता। जापान में मात्सुमोतो का तेल जैसे रंग वाला कारासु-जो यानी कौवा किला भी है, लेकिन कुमामोतो कैसल की बात ही कुछ अलग है। आप सोच रहे होंगे कि इसका रंग काला क्यों है? तो इसके पीछे इतिहास में जाना होगा। कुमामोतो कैसल को करीब 400 साल पहले 1607 में बनाया गया था। उस वक्त जापान में सूबेदारों और सामंतों की जंग छिड़ी

हुई थी। सामंत टोयोटोमी हिडेयोशी की मौत के बाद उनके सेनापति रहे काटो कियोमासा ने इस किले को बनवाया था। यह काफी मजबूत है। इसमें 29 फाटक और 49 निगरानी टॉवर लगे हुए हैं। शिमाजु कुनबे के लोगों ने कब्जा करने के इरादे से इस पर हमला किया, लेकिन इसका बाल बांका नहीं कर सके। 200 साल बाद इस पर फिर कब्जे की कोशिश हुई। समुराई ने हमला बोला। आसपास के कई इलाके जला दिए। तमाम लोगों को मार डाला। लेकिन वे किले पर कब्जा करने में नाकाम रहे। 2 साल पहले जापान सरकार ने इस किले की मरम्मत कराई। इस पर 63 अरब येन से ज्यादा रकम खर्च की। आज यह मशहूर टूरिस्ट स्पॉट बना हुआ है। काफी संख्या में लोग इस किले को देखने के लिए जाते हैं।

# साउथ अमेरिका में पाये जाने वाले इस मेढक की हर आंख पर होती हैं तीन पलकें

रेड-आइड ट्री फ्रॉग बड़ा ही अद्भुत जीव है, जो कलरफुल होता है, जिसके शरीर पर हरा, नारंगी और नीला कलर पाया जाता है। इस मेंढक की आंखें बेहद अनोखी होती हैं, जो चमकदार लाल रंग की होती हैं। आपको यह जानकर हैरानी होगी कि इसकी हर आंख पर तीन पलकें होती हैं। आखिर इन मेंढकों की आंखों पर तीन पलकें क्यों होती हैं। इसके पीछे बड़ी ही चौंकाने वाली वजह है। अब इसी मेंढक का एक वीडियो वायरल हो रहा है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' (पहले ट्विटर) पर एक यूजर ने ये वीडियो शेयर किया है, जिसके कैप्शन में लिखा गया है कि, 'देखने में लगभग फेक लगता है, लेकिन यह असली रेड आइड ट्री फ्रॉग है।' वीडियो पर कई लोगों ने कमेंट्स भी किये हैं, जिनमें उन्होंने मेंढक को सुंदर बताया है। इस वीडियो में आप भी इस मेंढक को देख सकते हैं कि वह कैसा दिखता है। बता दें कि ये मेंढक सेंट्रल और साउथ अमेरिका में पाए जाते हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार, रेड-आइड ट्री फ्रॉग की दो पारदर्शी पलकें होती हैं, एक नीचे, एक ऊपर और तीसरी अर्ध-पारदर्शी पलक, जिसे निक्टिटेटिंग झिल्ली कहा जाता है, जो इस मेंढक की आंखों को उन खतरों से बचाती है, जिनसे उसका सामना हो सकता है। इनकी पलकें पानी के भीतर आंख की रक्षा करने और जमीन पर उसे नम रखने का काम करती हैं। इस तरह से मेंढक की आंखें अनोखी तरह से डिजाइन होती है। फेसबुक पर वायरल एक वीडियो में आप इस मेंढक की आंखों की पलकों को देख सकते हैं। Kids.nationalgeographic.com की रिपोर्ट में लिखा गया है कि, रेड-आइड ट्री फ्रॉग का साइंटिफिक नाम अगलीचनिस कैलिड्रियास है। ये मेंढक नीली और पीली धारियों वाले अपने चमकीले हरे शरीर के लिए जाने जाते हैं। अपने चमकीले रंगों की वजह ये मेंढक वातावरण के साथ घुल-मिल सकता है, जिससे शिकारियों से बचने के लिए छलावरण करता है। यह अपनी लाल रंग की चमकदार आंखों से शिकारियों को चौंका भी सकते हैं। रंग की इन अचानक चमक से शिकारी अक्सर इतना आश्चर्यचकित हो जाता है कि वह क्षण भर के लिए भ्रमित हो जाता है और झिझकता है और जब ऐसा होता है, तो मेंढक के पास बच निकलने के लिए एक सेकंड का समय होता है! जंगल में इस मेंढक का औसत जीवनकाल 5 साल है।

# राहुल व सोनिया गांधी का दिखा मजाकिया अंदाज, भाजपा को दिया मुरब्बे का ऑफर

» नए साल की पूर्व संध्या पर सोनिया, राहुल व प्रियंका का वीडियो खूब हो रहा वायरल

» विदेश से लौटते ही मां को अरहर की दाल और चावल खाना पसंद : राहुल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी विदेश से लौटते ही एक व्यंजन खाना जरूर पसंद करती हैं और वह है अरहर की दाल और चावल। नए साल की पूर्व संध्या पर कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी के यूट्यूब चैनल पर जारी एक वीडियो में सोनिया गांधी ने अपने खाने की पसंद को साझा किया। वीडियो में दोनों नेता संतरे का मुरब्बा (जैम) बनाते नजर आ रहे हैं। वीडियो में राहुल कहते हैं कि यह उनकी बहन प्रियंका की रेसिपी है।

मां, यादें और मुरब्बा शीर्षक वाले वीडियो में दोनों मां-बेटा सोनिया और राहुल गांधी भोजन के बारे में हल्का-फुल्का मजाक भी करते नजर आ रहे हैं। मुरब्बा बनाते समय राहुल गांधी कहते हैं, यदि भाजपा वालों को जैम लेना है तो वे भी ले सकते हैं। आप क्या कहती हैं मम्मी? इस पर सोनिया गांधी ने चुटकी लेते हुए कहा, वे इसे हम पर वापस फेंक देंगे। इसके बाद राहुल हंसने लगे और उन्होंने कहा, यह अच्छा है, हम इसे फिर से उठा सकते हैं।



## पौष्टिक खानपान पर मेरे विचार गांधी से अलग

वीडियो में, राहुल गांधी इस बारे में भी बात करते हैं कि कैसे महात्मा गांधी के पास भोजन के बारे में एक विशेष दृष्टिकोण था और पौष्टिक खानपान को लेकर उनके पास ज्ञान का खजाना था। उन्होंने कहा, मेरे भी पौष्टिक खानपान को लेकर अपने विचार हैं जो गांधी जी से थोड़े अलग हैं। इस वीडियो के अंत में दोनों को कांच के मर्तबान में मुरब्बा भरते देखा जा सकता है। इन मर्तबान पर टैग लगे हैं, जिन पर लिखा है- विद लव, फ्रॉम सोनिया एंड राहुल। इन्हें मित्रों और परिजनों को भेजने के लिए तैयार किया गया है।

## राहुल बहुत प्यारा है मेरा बहुत ख्याल रखता : सोनिया

वीडियो मे राहुल गांधी ने संतरे तोड़ने से लेकर उन्हे छीलने और इससे मुरब्बा तैयार करने की रेसिपी केबारे मे विस्तार से बताया है। गांधी वीडियो मे कहते सुनाई देते है, यह मेरी बहन प्रियंका की रेसिपी है। प्रियंका ने ही इस रेसिपी को ढूंढा और उसमे सुधार किया। मै बस इसे बना रहा हूं। पांच मिनट से अधिककेइस वीडियो मे सोनिया ने कहा, वह (राहुल) जिद्दी है, मै भी जिद्दी हूं। हम दोनो जिद्दी है। तो आप समझ ही सकते है। उनके(राहुल) बारे मे उन्हे (सोनिया) क्या पसंद है, इस पर सोनिया गांधी ने, वह बहुत प्यारा है, बहुत ख्याल रखता है। खासकर जब मै ठीक नही होती, तो राहुल और प्रियंका दोनो मेरा ख्याल रखते है। घर मे सबसे अच्छा खाना कौन बनाता है, इस पर राहुल कहते है कि वह उनकी नानी यानि सोनिया गांधी की मां थी, जिन्होने गांधी परिवार केकश्मीरी रिश्तेदारो से कई व्यंजन सीखे। भोजन की पसंद नापसंद केबारे मे बात करते हुए, सोनिया गांधी ने कहा, जब कोई भारतीय व्यक्ति विदेश जाता है, मै आज की बात नही कर रही हूं क्योंकिअब वहां हर जगह भारतीय रेस्तरां है... आप ब्रिटेन और अन्य जगहो केखानपान से तालमेल नही बिठा सकते। उसी प्रकार, जब मै यहां आई तो मुझे तालमेल बिठाने मे समय लगा। सोनिया ने कहा, मुझे भारतीय स्वादो विशेषकर मिर्च और हरे धनिए केसाथ तालमेल बिठाने मे समय लगा। सोनिया ने कहा किउन्हें हरा धनिया पसंद नही था, जिस पर राहुल चुटकी लेते हुए कहते है लेकिन अब उन्हे यह बहुत पसंद है। राहुल ने कहा किउन्हे (सोनिया) अचार भी पसंद नही था लेकिन अब उन्हे अचार बहुत पसंद है। सोनिया गांधी ने कहा, इसमे मुझे थोड़ा समय लगा लेकिन अब मुझे वास्तव मे ए पसंद है। अब जब भी मै विदेश से आती हूं तो सबसे पहली चीज जो मुझे चाहिए वह है अरहर की दाल और चावल।

# जनता हरियाणा से भाजपा-जजपा को सत्ता से बाहर कर देगी : दीपेंद्र हुड्डा

» 2024 विधानसभा चुनाव की तैयारी में जुटी कांग्रेस

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कुरुक्षेत्र। कांग्रेस नेता दीपेंद्र सिंह हुड्डा ने रविवार को दावा किया कि जनता भारतीय जनता पार्टी (भाजपा)-जननायक जनता पार्टी (जजपा) सरकार के कथित कुशासन से तंग आ चुकी है और अगले साल होने वाले विधानसभा चुनाव में उसे सत्ता से बाहर करने के लिए वोट करेगी। हुड्डा ने कहा, नया साल राज्य में बदलाव लेकर आएगा क्योंकि 2024 में भाजपा-जजपा की सरकार जाएगी और कांग्रेस सरकार सत्ता में आएगी। हुड्डा यहां लाडवा में प्रदेश कांग्रेस द्वारा आयोजित जन आक्रोश रैली के दौरान एक सभा को संबोधित कर रहे थे।



राज्यसभा सांसद ने आरोप लगाया कि लोग भाजपा-जजपा शासन के कथित कुशासन से तंग आ चुके हैं। उन्होंने कहा, सरकार ने अपने जनविरोधी फैसलों के खिलाफ विभिन्न आंदोलनों को दबाने के लिए बल का प्रयोग किया और किसानों, मजदूरों, मनरेगा श्रमिकों, सरपंचों, चौकीदारों, सफाई कर्मचारियों पर लाठीचार्ज करवाया। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि मौजूदा वक्त में हरियाणा में विभिन्न क्षेत्रों में भ्रष्टाचार फैला हुआ है। जनता 2019 के विधानसभा चुनावों में ही भाजपा को हटाना चाहती थी क्योंकि वे इस सरकार से नाखुश नहीं थे। जनता ने उनके 14 में से 12 मंत्रियों को हराया और वापस घर भेज दिया लेकिन जजपा ने अपने मतदाताओं को धोखा दिया और भाजपा से हाथ मिलाकर सरकार बनाई। हुड्डा ने दावा किया कि 2019 के विधानसभा चुनावों में जजपा ने भाजपा को जमुनापार भेजने का वादा कर 90 विधानसभा सीटों में से 10 पर जीत हासिल की थी लेकिन इस बार उन्हें एक भी सीट नहीं मिलेगी। जनता इस विश्वासघात का बदला लेगी। हुड्डा ने कहा कि 2014 से पहले जब कांग्रेस सत्ता में थी तब विकास दर और प्रति व्यक्ति निवेश बेहतर हुआ था।

# ममता ने अगले सप्ताह के सारे कार्यक्रम किए रद्द

» दाहिने कंधे के इलाज के चलते लिया फैसला

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के अगले एक सप्ताह के निर्धारित कार्यक्रम स्थगित कर दिए गए। अधिकारी ने बताया कि ममता के दाहिने कंधे के इलाज के कारण के बाद चिकित्सकों ने उन्हें आराम करने की सलाह दी है जिसके बाद उनके प्रस्तावित कार्यक्रमों को टाल दिया गया है। ममता को दो जनवरी को नेताजी इंडोर स्टेडियम में अपनी पार्टी टीएमसी के एक कार्यक्रम में शामिल होना था। उन्हें गंगासागर मेले की तैयारियों का जायजा लेने के लिए तीन जनवरी को दक्षिण 24 परगना में सागर द्वीप का दौरा भी करना था और अगले दिन निकटवर्ती जॉयनगर में एक प्रशासनिक बैठक की अध्यक्षता करने थी।



# 10 साल में हमने 75 साल के बराबर काम किया : केजरीवाल

» राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक में बोले सीएम- हमारे नेता हीरो, हम जेल जाने को तैयार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी के नेशनल एग्जीक्यूटिव और नेशनल काउंसिल की आयोजित हुई बैठकों में पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने कहा कि 12 साल में आप को अभूतपूर्व सफलता मिली है। हमने वह काम कर दिखाया है, जो 75 साल में भी दूसरी पार्टियां नहीं कर पाईं। पिछले दो साल में पंजाब में किया गया आप सरकार का काम दिखाता है कि अगर पूर्ण राज्य में हमारी सरकार हो तो हम बहुत तेजी से काम कर सकते हैं।



उन्होंने भाजपा के साथ-साथ इंडिया गठबंधन की अपनी साथी कांग्रेस पर भी निशाना साधा। वर्चुअल माध्यम से हुई दोनों बैठकों में देशभर के पार्टी पदाधिकारियों ने हिस्सा लिया।

## मेरी गारंटी को विरोधियों ने चुराया

अब तो विरोधी दलों ने हमारा गारंटी शब्द और घोषणा पत्र भी चुरा लिया है। अब वे मोदी की गारंटी और कांग्रेस की गारंटी कहने लगे हैं। इन लोगों ने जनता को गारंटियां तो दीं, लेकिन किसी ने पूरी नहीं कीं, क्योंकि इनकी नीयत ठीक नहीं है, जबकि हम अपनी सारी गारंटी पूरी कर रहे हैं। इस दौरान उन्होंने ये भी कहा कि हमारे जो पांच नेता जेल में हैं, वे हमारे हीरो हैं और हमें उन पर गर्व है। अगर आप बच्चों को अच्छी शिक्षा देने और गरीबों का मुफ्त में इलाज कराने की बात करेंगे तो जेल जाना ही पड़ेगा और हमें इसके लिए तैयार रहना होगा। केजरीवाल ने कहा कि किसी भी पार्टी के इतिहास में 12 साल का समय कुछ भी नहीं होता है।

# वॉर्नर वनडे क्रिकेट को कहेंगे बाय-बाय

» संन्यास लेने की घोषणा की

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। ऑस्ट्रेलिया की टीम 3 जनवरी से सिडनी क्रिकेट ग्राउंड में पाकिस्तान के खिलाफ सीरीज का तीसरा और आखिरी टेस्ट मैच खेलने जा रही है। ऑस्ट्रेलियाई ओपनर डेविड वॉर्नर का यह घरेलू मैदान पर करियर का यह आखिरी टेस्ट मैच है। ऐसे में नए साल की पहली सुबह वॉर्नर ने सभी को चौंका दिया। वॉर्नर ने एक साल के मौके पर वनडे क्रिकेट से भी संन्यास लेने का फैसला किया है। ऑस्ट्रेलियाई टीम के दो बार के वनडे वर्ल्ड कप विजेता ने पाकिस्तान के खिलाफ तीसरे टेस्ट मैच से पहले यह घोषणा की।

वॉर्नर के लिए वनडे से संन्यास लेने के लिए इससे अच्छा समय नहीं हो सकता था क्योंकि इस साल ऑस्ट्रेलिया ने भारत में अयोजित 2023 वनडे वर्ल्ड कप में जीत हासिल की है। वॉर्नर ने 11 मैचों में 48.63 की ओसत और 108 से ज्यादा के स्ट्राइक रेट से वर्ल्ड कप में 535 रन बनाए हैं। इसमें 2 शतक और अर्धशतक भी शामिल थे। वह वर्ल्ड कप 2023 में छठे सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज थे। वॉर्नर टी20 क्रिकेट के लिए अभी भी ऑस्ट्रेलियाई टीम में मौजूद रहेंगे। इस साल जून में अमेरिका और वेस्टइंडीज में आयोजित होने वाले वर्ल्ड कप में डेविड वॉर्नर हिस्सा लेंगे। हालांकि, 37 साल के बल्लेबाज वॉर्नर को टी20 का स्पेशलिस्ट माना जाता है।

नए साल की पहली सुबह वॉर्नर ने सभी को चौंका दिया। वॉर्नर ने नए साल के मौके पर वनडे क्रिकेट से भी संन्यास लेने का फैसला किया है।

## एकदिवसीय में बनाए 6 हजार 932 रन

बांए हाथ के बल्लेबाज वॉर्नर ने ओपनर के रूप में 161 वनडे मैचों में 45.30 की ओसत और 97.26 के स्ट्राइक रेट से 6 हजार 932 रन बनाए हैं। इस बीच उन्होंने अपने करियर में 22 शतक और 33 अर्धशतक अपने नाम किए हैं। वॉर्नर के करियर की बेहतरीन पारी 179 रन की रही है।

# 26 जनवरी की परेड में झांकी रोकने से विपक्ष आगबबूला

» आप समेत विपक्ष ने केंद्र सरकार को घेरा

» रक्षा मंत्रालय ने संभाला मोर्चा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी (आप) के नेता भगवंत मान ने पंजाब के खिलाफ कथित भेदभाव के लिए हाल में केंद्र सरकार पर निशाना साधा था और कहा था कि पंजाब और दिल्ली दोनों को उन राज्यों की सूची में शामिल नहीं किया गया है जिनकी झांकियों को 26 जनवरी की परेड के लिए चुना गया है। केंद्र ने दिल्ली, पंजाब और पश्चिम बंगाल से गणतंत्र दिवस 2024 की झांकी को अस्वीकार करने के बाद भेदभाव के आरोपों को खारिज कर दिया और कहा कि वे इस साल की जश्न परेड के व्यापक विषय के साथ संरेखित नहीं हैं।

यह स्पष्ट करते हुए कि गणतंत्र दिवस 2024 की परेड में झांकियों को शामिल क्यों नहीं किया गया, रक्षा मंत्रालय ने कहा कि राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के प्रस्तावों की समीक्षा विभिन्न उद्योगों के कलाकारों की एक विशेषज्ञ समिति द्वारा की गई थी, और केंद्र द्वारा कोई पक्षपात नहीं किया गया था। सूत्रों ने बताया कि विशेषज्ञ समिति की पहले तीन दौर की बैठकों में पंजाब की झांकी के प्रस्ताव पर विचार किया गया, लेकिन विषय के अनुरूप नहीं होने के कारण अंततः इसे खारिज कर दिया गया। पश्चिम बंगाल के स्रोतों को भी इन्हीं कारणों से खारिज कर दिया गया। केंद्र द्वारा गठित झांकियों की जांच के लिए विशेषज्ञ समिति में कला, संस्कृति, चित्रकला, संगीत, वास्तुकला, कोरियोग्राफी, मूर्तिकला और अन्य क्षेत्रों के प्रतिष्ठित व्यक्ति शामिल हैं।

**विशेषज्ञ समिति ने की तीन दौर की बैठक**

## 31 जनवरी तक अपनी झांकियां प्रदर्शित करें: रक्षा मंत्रालय

रक्षा मंत्रालय ने कहा कि जिन राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को गणतंत्र दिवस परेड 2024 के लिए चुना नहीं गया है, उन्हें राज्यों तथा केंद्र शासित प्रदेशों के साथ हुए समझौता ज्ञापन के अनुसार 23-31 जनवरी तक लाल किले में भारत पर्व में अपनी झांकियां प्रदर्शित करने के लिए आमंत्रित किया जा रहा है। रक्षा मंत्रालय ने कहा कि परेड की कुल अवधि में झांकियों के लिए आवंटित समय के कारण सबसे अच्छी झांकियों की भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए विशेषज्ञ समिति को झांकियों का चयन करना पड़ता है। उसने बताया कि गणतंत्र दिवस परेड 2024 के लिए पंजाब और पश्चिम बंगाल समेत 30 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों ने भाग लेने की इच्छा जतायी।

# सत्ता के लालच में सब अंधे : प्रियंका

» बोलीं- हमारे बच्चे जश्न मना रहे और गाजा में बच्चों की हत्या हो रही

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। 2023 के आखिरी दिन देशभर में लोगों ने जश्न मनाकर नए साल 2024 का स्वागत किया। इस मौके पर एक दूसरे को बधाई संदेश भी दिए जा रहे हैं। इसी क्रम में कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने भी देशवासियों को बधाई संदेश दिया लेकिन उनके संदेश में एक इजरायल हमास युद्ध में गाजा के अंदर मारे गए लोगों का भी जिक्र था। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर दिए संदेश में कांग्रेस नेता ने लिखा, जैसा कि हम नए साल का जश्न मनाते हैं और एक दूसरे को शुभकामना संदेश देते हैं कि हमार जीवन में प्यार, शांति, हंसी और अच्छाई भरी रहे।

आइए हम गाजा में अपने भाइयों और बहनों को याद करें जो अपने जीवन, सम्मान और स्वतंत्रता के अधिकार पर सबसे अन्यायपूर्ण और अमानवीय हमले का सामना कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि दुनिया के तथाकथित नेता चुपचाप देखते रहते हैं और सत्ता के लालच की तलाश में बेफिक्र होकर आगे बढ़ते रहते हैं, फिर ऐसे लाखों लोग हैं जो गाजा में हो रही भयंकर हिंसा को खत्म करने की मांग करते हुए अपनी आवाज उठा रहे हैं और बहादुर दिल वाले वे लाखों लोग हमारे लिए नए कल की आशा लेकर आए हैं, उनमें से एक बनें।

फोटो :4 पीएम

**प्रदर्शन** सड़क दुर्घटना के नए नियम को लेकर लखनऊ में विरोध शुरू हो गया है। परिवहन विभाग की नीति के खिलाफ कमर्शियल गाड़ियों ने जगह-जगह रोक कर सवारियों को उतार दिया। सवारियों को सड़क के बीच उतारने से चारबाग रोड पर भीषण जाम लग गया। आनन-फानन में पुलिस ने मोर्चा संभाला।

# कार की पोल से भीषण टक्कर, 6 की मौत

» कार के चिथड़े उड़ गए

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जमशेदपुर। नए साल का जश्न मनाने जा रहे आदित्यपुर के युवकों की कार बिष्टुपुर सर्किट हाउस क्षेत्र में दुर्घटनाग्रस्त हो गई। इस घटना में छह युवकों की मौत हो गई तथा दो युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। सभी लोग कार में सवार होकर पिकनिक मनाने जा रहे थे। घटना बिष्टुपुर के सर्किट हाउस एरिया स्थित साई मंदिर गोल चक्कर के समीप की है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, एक इंडिगो कार में आठ युवक मरीन ड्राइव की ओर जा रहे थे। इसी दौरान अनियंत्रित होकर कार की पोल से टक्कर हो गई, जससे गाड़ी में सवार आठों युवक गंभीर रूप से घायल हो गए।

इस घटना में कार के चिथड़े उड़ गए। इस घटना में पांच युवक की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि एक युवक की एमजीएम अस्पताल में इलाज के दौरान मौत हो गई। मृतको में छोटू यादव, हेमंत कुमार, सूरज कुमार, मोनू महतो, शुभम कुमार ने घटना स्थल पर ही दम तोड़ दिया। एक अन्य मृतक की पहचान अभी नहीं हो पाई है।

## कोहरे की चादर से ढकी आई नये साल की सुबह

लखनऊ। आज से 2024 का आगाज हो गया है। नये साल की शुरुआत लोगों को कोहरे व गलन के साथ करना पड़ा। प्रदेश के मौसम में कोई बड़ा बदलाव नहीं होने वाला। नये साल को चढ़ते दिन के साथ धूप खिलने के आसार हैं मगर सुबह कोहरे में लिपटी रहेगी। सोमवार को हवा में गलन बढ़ने की संभावना जताई जा रही है। मौसम वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह और मोहम्मद दानिश के मुताबिक पश्चिमी विक्षोभ की वजह से फिलहाल गलन बनी रहेगी। साल के अंतिम दिन रविवार को घना कोहरा कई इलाकों में छाया रहा। लखनऊ में सुबह धूप खिली मगर शाम होते ही गलन बढ़ी। रविवार को कोहरे का असर कुछ कम रहा। कानपुर में दृश्यता 50 मीटर से कम तो वहीं झांसी में 40 मीटर से कम रही। कई अन्य इलाकों में दृश्यता 100 से 200 मीटर तक रही। सबसे कम न्यूनतम तापमान 6.5 नजीबाबाद का रहा।

# ब्लैक होल-न्यूट्रॉन स्टार की स्टडी करेगा इसरो

» एक्सपोसैट मिशन की श्रीहरिकोटा से हुई लॉन्चिंग

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

श्रीहरिकोटा। नए साल का आगाज हो चुका है और इंडियन स्पेस रिसर्च ऑर्गेनाइजेशन (इसरो) ने साल के पहले स्पेस मिशन को लॉन्च कर दिया है। इसरो ने एक्स-रे पोलेरिमीटर सैटेलाइट (एक्सपोसैट) मिशन को एक जनवरी की सुबह 9.10 बजे लॉन्च किया। 2023 में चंद्रयान-3 मिशन के जरिए चांद पर पहुंचने और आदित्य एल-1 मिशन के जरिए सूर्य तक सफर की शुरुआत के बाद इसरो ने इस साल स्पेस सेक्टर में अपना पहला कदम बढ़ाया है।

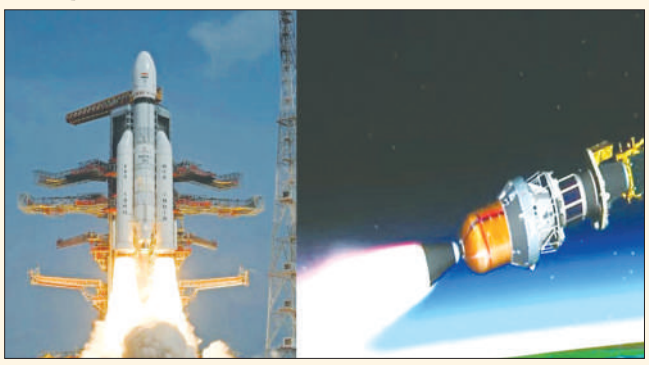

इसरो बताया कि आंध्र प्रदेश के श्रीहरिकोटा से साल का पहला मिशन लॉन्च किया गया। मिशन की लॉन्चिंग के साथ ही भारत दुनिया का दूसरा ऐसा देश बन गया है, जिसने ब्लैक होल और न्यूट्रॉन स्टार्स की स्टडी के लिए स्पेशलाइज्ड एस्ट्रोनॉमी ऑब्जर्वेट्री को स्पेस में भेजा है। एक्सपोसैट एक तरह से रिसर्च के लिए एक ऑब्जर्वेट्री है, जो अंतरिक्ष से ब्लैक होल और न्यूट्रॉन स्टार्स के बारे में ज्यादा जानकारी जुटाएगी। मिशन के विजन के बारे में बात करते हुए इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, बॉम्बे के एस्ट्रोफिजिसिस्ट डॉ. वरुण भालेराव ने कहा, नासा के 2021 के इमेजिंग एक्स-रे पोलेरिमीटरी एक्सप्लोरर नामक मिशन के बाद ये अपनी तरह का दूसरा मिशन है।

## पृथ्वी की निचली कक्षा में स्थापित होगा सैटेलाइट

अमेरिकी स्पेस एजेंसी नासा ने 2021 में इमेजिंग एक्स-रे पोलेरिमीटरी एक्सप्लोरर नाम से मिशन लॉन्च किया था। इसके जरिए वर्तमान में ब्लैक होल समेत अंतरिक्ष में मौजूद अन्य चीजों की स्टडी हो रही है। एक्सपोसैट को पोलर सैटेलाइट लॉन्च व्हीकल के जरिए अंतरिक्ष में भेजा गया है। पीएसएलवी रॉकेट के जरिए एक्सपोसैट सैटेलाइट को अंतरिक्ष में भेजा गया है. ये सैटेलाइट पृथ्वी की निचली कक्षा में स्थापित किया जाएगा, जहां से पृथ्वी की दूरी 650 किमी है।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। संपादक - संजय शर्मा, विधि सलाहकार: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, वित्तीय सलाहकार: संदीप बंसल, कार्टूनिस्ट: हसन जैदी, दूरभाष: 0522- 4078371 | Email: daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in | RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।